मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 42
गुरुवार, 21 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया गिरफ्तार पीएम-सीएम को हटाने वाला बिल, विपक्ष ने किया विरोध

नई दिल्ली, 20 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में विवादास्पद विधेयक पेश किया, जिसमें प्रस्ताव है कि यदि किसी मौजूदा मंत्री, मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें एक महीने के भीतर अपना पद गंवाना पड़ सकता है। अमित शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए।

हालांकि, इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने इस बिल को जमकर विरोध किया। केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025 के उद्देश्यों और कारणों संबंधी बयान के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने हेतु केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन करने की आवश्यकता है। विधेयक उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, संविधान के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री तथा राज्यों एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने के मकसद से संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने 130वें संविधान संशोधन बिल को लेकर साधा निशाना

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को तीन विवादास्पद विधेयकों को पेश किए जाने की निंदा की, जिनमें गंभीर आरोपों में 30 दिन जेल में बिताने के बाद प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश को मध्ययुगीन काल में ले जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिनके तहत प्रधानमंत्री और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर पद से हटाया जा सकेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं जब राजा अपनी इच्छा से किसी को भी हटा सकता था, या अगर उसे किसी का चेहरा पसंद नहीं आता था, तो वह उसे गिरफ्तार करने के लिए ईडी से

कह सकता था, और लोकतांत्रिक रूप से चुने गए व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर बाहर निकाला जा सकता था। आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025 और ह्यजम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। विधेयकों के उद्देश्यों और कारणों में कहा गया है कि कोई मंत्री जो गंभीर दंडनीय अपराधों के आरोप का सामना कर रहा है।

देश को पुलिस राज बनाना चाहती है बीजेपी : असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, 20 अगस्त। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को इस कदम को असंवैधानिक करार दिया और भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी।

ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है; यह विधेयक इसके खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की

खुली छूट मिल जाएगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार इन विधेयकों के जरिए हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करेंगे...भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लोकसभा में तीन विधेयक पेश करेंगे - जिनमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों से हिरासत में लिए गए केंद्रीय या राज्य मंत्री को हटाने का प्रावधान करता है। लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार, शाह भारत के संविधान में और संशोधन करने के लिए संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 के अलावा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करने वाला विधेयक भी पेश करेंगे।

यूपी में 30 हजार मेगावॉट पार, बिजली की खपत में नया रिकार्ड

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली की मांग लगातार नए रिकार्ड बना रही है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 19 अगस्त की रात 10:21 बजे प्रदेश में बिजली की खपत 30,251 मेगावॉट तक पहुंच गई। यह अब तक का एक बड़ा आंकड़ा है, जबकि जून माह में सर्वाधिक 31,486 मेगावॉट की मांग दर्ज हो चुकी है। आने वाले अगस्त-सितंबर में बिजली की आवश्यकता इससे भी अधिक रहने की संभावना जताई जा रही है। खास यह है कि समिति के बैनर तले बनारस के बिजलकर्मियों ने मंगलवार को भी बिजली निजीकरण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन कर अपनी

आवाज बुलंद की। आंदोलनरत कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि निजीकरण का विरोध जारी रहेगा, लेकिन इसके साथ ही उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।इस स्थिति को देखते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आंदोलनरत बिजली कर्मियों से अपील की है कि वे निजीकरण विरोधी आंदोलन को जारी रखते हुए उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें और निर्बाध आपूर्ति बनाये रखें। पदाधिकारियों ने कहा कि बीते 266 दिनों से आंदोलनरत रहने के बावजूद बिजली कर्मियों ने मई-जून की भीषण गर्मी हो या प्रयागराज महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन, हर मौके पर उपभोक्ताओं तक बिजली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की। संघर्ष समिति का साफ निर्देश है कि निजीकरण के खिलाफ संघर्ष उपभोक्ताओं को साथ लेकर लड़ा जाएगा। संघर्ष समिति का स्पष्ट निर्देश है कि आंदोलन के कारण उपभोक्ता कठिनाई का शिकार न हों। समिति ने घोषणा की कि अगले सप्ताह से केंद्रीय पदाधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा करेंगे और अभियंताओं-कर्मचारियों को आंदोलन में अधिक सक्रिय करेंगे। इसी बीच समिति ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हजारों कर्मियों का जून-जुलाई का वेतन रोक दिया गया है, जबकि उन्होंने पूरी मेहनत से काम किया है। इसे दमनकारी नीति बताते हुए समिति ने चेताया कि चाहे कितना भी दबाव बनाया जाए, आंदोलन निजीकरण वापसी और उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों की समाप्ति तक जारी रहेगा। संघर्ष समिति ने दो टूक कहा कि यदि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण टेंडर जारी किया गया तो प्रदेशभर के तमाम अभियंता, जूनियर इंजीनियर, संविदा कर्मी और कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और सामूहिक जेल भरो आंदोलन की राह अपनाएंगे।

कर्नाटक में एससी आरक्षण में बड़ा बदलाव

कर्नाटक, 20 अगस्त। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति एचएन नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों के आधार पर 17 प्रतिशत कोटे को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत फॉमूर्ले के अनुसार, एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) समूहों को 6-6 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जबकि लम्बानी, भोवी, कोरमा, कोरचा जैसे 'स्पृश्य' दलित समुदायों के साथ-साथ अति पिछड़े और खानाबदोश समुदायों को 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसमें एससी श्रेणी की 101 जातियाँ शामिल हैं। यह निर्णय कैबिनेट की एक विशेष बैठक के बाद लिया गया, जिसमें आयोग की

1,766 पृष्ठों की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। 4 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सौंपी गई इस रिपोर्ट में मूल रूप से पाँच श्रेणियों में विभाजन का सुझाव दिया गया था, लेकिन कैबिनेट ने इसे घटाकर तीन श्रेणियों में कर दिया।

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि बैठक सार्थक रही और सभी अनुसूचित जाति समुदायों के मंत्री संतुष्ट थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कल सदन में एक बयान देंगे। पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज तंगदागी ने इस कदम को ऐतिहासिक बताया और कहा कि संतुलन के लिए कुछ श्रेणियों को मिलाकर समूहों का पुनर्गठन किया गया है। हालाँकि, सूत्रों ने संकेत दिया है कि अधिकांश पिछड़े और खानाबदोश समुदाय इस पुनर्वर्गीकरण से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। आयोग की रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। यह घटनाक्रम सर्वोच्च न्यायालय के अगस्त 2022 के उस फैसले के बाद हुआ है जिसमें राज्यों को आरक्षण लाभों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने की अनुमति दी गई थी। कर्नाटक ने पिछले साल नवंबर में अनुभवजन्य आँकड़े एकत्र करने और एक आंतरिक कोटा प्रणाली तैयार करने के लिए आयोग का गठन किया था।

सीएम हमले में आरोपियों और मास्टरमाइंडों को जवाबदेह ठहराया जाएगा: राम कदम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राम कदम ने बुधवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि पुलिस घटना के पीछे के मकसद की जांच करेगी और आरोपियों के साथ-साथ इसके मास्टरमाइंड लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। एएनआई से बात करते हुए कदम ने कहा कि हम दिल्ली की मुख्यमंत्री पर हमले की निंदा करते हैं।

आरोपी का इरादा क्या था? उसने भीड़ के बीच राज्य की महिला मुख्यमंत्री पर हमला क्यों किया? उसके पीछे मास्टरमाइंड कौन हैं? उनकी कार्यप्रणाली और कारण क्या हैं?

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

-ललित गर्ग

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस- 21 अगस्त, 2025

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरूआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-ह्लसमावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाह्व। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की। प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है ह्व फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

क्या इसी तरह हम हमेशा डूबते रहेंगे?

अशोक भाटिया

एक दशक पहले, राज्य और विशेष रूप से राजधानी मुंबई अत्यधिक बारिश से रो रही थी। लेकिन हम यह साबित करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि हमारे पास संकट से सीखने की बुद्धि नहीं है। पिछले तीन दिनों की बारिश ने दिखाया है कि यह अत्यधिक वर्षा नहीं है और यह अघोरी नहीं है। वर्तमान 24 घंटों में, मुश्किल से 300 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। दस साल पहले, 2015 में, मुंबई में 1500 मिमी बारिश हुई थी। हमारी प्रगति इतनी जोरदार रही है कि 300 मिमी वर्षा भी मुम्बई, जो कि एक महानगर, देश की वित्तीय राजधानी आदि है, के नाक और मुंह से पानी पोंछने के लिए पर्याप्त है और 74000 करोड़ बजट वाली मुंबई बरसात में डूब गई!

यह सिर्फ अभी नहीं है। तीन महीने पहले, मई में, जब बारिश ने हमारी प्रशासनिक गरीबी को प्रभावित किया, तो मुंबई 300-400 मिमी बारिश में झुक गई। पुणे अलग नहीं है। नव स्थापित नवी मुंबई की वास्तविकता अलग क्यों है? मुंबई की तरह, पुणे में 28 नए कभी न खत्म होने वाले स्थानों पर बाढ़ आ गई, जबकि नवी मुंबई का क्षेत्र, जिसे लाडाकोडा में सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) कहा जाता है, भी जलमग्न हो गया।

अकेले 'स्मार्ट शहरों' को छोड़ दें; लेकिन पुणे में, जहां पीने के पानी के लिए लड़ाई हुई थी, पानी अब घुटने से ऊपर जमा हो रहा है। साइकिलों के इस शहर की सड़कें, फिर दोपहिया वाहन, कारों के ट्रैफिक से बहने लगी हैं। चलो अन्य मामलों में चलते हैं, लेकिन नागरिक असुविधा और शहर की उदासीनता के मामले में, पुणे को यह स्वीकार करना होगा कि पुणे ने मुंबई की बराबरी कर ली है! नासिक, औरंगाबाद, नागपुर या कोल्हापुर जैसे अन्य शहरों में इन दो दिनों में मुंबई और पुणे जैसी बारिश नहीं हुई। अन्यथा, इन शहरों के चेहरे इन दो महानगरों से अलग नहीं हैं। बारिश ने मराठवाड़ा और कोंकण में कहर बरपाया है, विशेष रूप से मराठवाड़ा में नारंगी और मोसंबी के बाग और दोनों क्षेत्रों में खड़ी फसल। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में लगभग 12-14 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचाया है। नुकसान बहुत बड़ा है। कुछ जगहों पर तो कृषि भूमि भी सचमुच बह गई है। महानगरों और शहरों में जनजीवन में व्यवधान और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि के नुकसान को अगर हम गिन लें तो ये आंकड़ा निश्चित रूप से कुछ हजार करोड़ तक जाएगा। सरकार को जनहानि की भरपाई नहीं करनी है। लेकिन फसलों के नुकसान की भरपाई सरकार को करनी है। फसल बीमा योजना में हाल के बदलावों ने मूल रूप से इस योजना के प्रति किसानों की प्रतिक्रिया को कम कर दिया है। नुकसान की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर नुकसान का आकलन और भरपाई करनी होगी तो यह संख्या बहुत बड़ी होगी।

यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। गांवों से अर्ध-शहरी क्षेत्रों और शहरों में प्रवास भी बढ़ रहा है। इसलिए, शहरी बस्तियों के लिए अधिक से अधिक भूमि का उपयोग किया जा रहा है। शहरी बस्तियां सिर्फ घर, सड़क, पानी की आपूर्ति, सीवेज प्रबंधन आदि नहीं हैं।बिजली आपूर्ति जैसी कई सुविधाएं हैं। इन प्रणालियों को बदलती जीवन शैली के साथ अद्यतित होने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, वे ऐसे नहीं दिखते। यदि वे नहीं थे, तो शिकायत करने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन अगले 50 वर्षों के लिए नए लोगों की योजना नहीं बनाई जा रही है। उनकी गुणवत्ता का सवाल एक और मामला है। दो या तीन दिनों की भारी बारिश या बादल फटने से अक्सर पता चला है कि इन प्रणालियों के डिजाइन के वैज्ञानिक पहलुओं का सख्ती से पालन नहीं किया जाता है। कभी-कभी पीरियड लंबा होता जा रहा है, कहां घट रहा है। भले ही बारिश की मात्रा समान हो, लेकिन बहुत कम समय में हर साल तेज बारिश होने लगी है। इसे हम सिर्फ 'बादल फटना' कहते हैं। अगर यह हर साल कहीं हो रहा है, तो हम इसके बारे में कितनी शिकायत करेंगे? और कितनी बार हम अपने शहर नियोजन असुरक्षा के लिए एक ही कारण का हवाला देंगे? प्रकृति का चक्र अभी पूरी तरह से मनुष्य के हाथ में नहीं है। इसलिए, हमें अपना जीवन बदलना होगा, हमें योजना में आवश्यक परिवर्तन करना होगा। हमें यह ध्यान रखना होगा कि तीव्र वर्षा अगला 'नया सामान्य' है। हमें नए समाधान खोजने होंगे। पिछले दस वर्षों में, उस संबंध में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विभाग, शहरी विकास-ग्रामीण विकास विभाग और शहरी नियोजन विभाग को चुनौती स्वीकार करनी होगी और विशेषज्ञों की मदद लेनी होगी। मूल रूप से, जनप्रतिनिधियों और संस्थानों और सरकार के बिना काम करने वाले इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को केवल निविदा और 'सुप्रामा' में शामिल प्रणाली को जागृत करना होगा। जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की जाती है, लेकिन स्थानीय समाधानों के लिए बहुत कुछ नहीं हो रहा है। जलवायु परिवर्तन केवल सेमिनारों और सेमिनारों का विषय नहीं है। पिछले दो दिनों में कोंकण, मुंबई-ठाणे-पुणे, मराठवाड़ा और महाराष्ट्र के कुछ अन्य हिस्सों में जीवन की गिरावट का कारण जलवायु परिवर्तन भी है।'परिवर्तन' कहने का कारण यह है कि हम शहर नियोजन में ध्यान रखना भूल गए हैं। शहर मुर्गियों की तरह लगते हैं जो हमें केवल सोने के अंडे देते हैं। 'फ्लोटिंग मैट एरिया', 'हवा में काल्पनिक इलाके', और इसकी बढ़ती मात्रा शहर नियोजन के मूल में आ गई है। अवास्तविक भूमि की कीमतें और परिणामस्वरूप भूमि चोरी की प्रथाएं न केवल महानगरों और शहरों में, बल्कि गांवों में भी, नदियों और धाराओं पर अतिक्रमण, नदी तल में निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। बेहिसाब सीमेंटेशन, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है, क्षति के लिए जिम्मेदार है। यह सिर्फ किसी की जेब भरने का सवाल नहीं है। सामान्य, या असामान्य; यह एक दिन सभी के जीवन के साथ आएगा। यह केवल एक प्रस्तावना है। अगली त्रासदी को समझना बुद्धिमानी है।

हमारी प्रगति ऐसी है कि उन कारणों के अलावा हमने अपने गांवों को भी जलमग्न कर दिया है। शहरों की तरह कोई गड्ढा नहीं होगा, कोई सड़क नहीं होगी, कोई चमकदार इमारतें नहीं होंगी, कोई महानगर नहीं होगा, और चारों ओर खुले जंगल नहीं होंगे। लेकिन हमारे पास शहरों की तरह वे गांव भी जलमग्न हैं। यानी अत्यधिक विकास शहरों को मार देगा और विकास के अभाव में गांव भी नष्ट हो जाएंगे। सीमित नहीं।

इस विनाश की गंभीरता और पैमाने को इस विनाश के पैमाने और गंभीरता से देखा जा सकता है। प्रारंभिक अनुमान है कि अकेले महाराष्ट्र में 1.4 मिलियन एकड़ भूमि पर फसलें पिछले तीन दिनों में जलमग्न हो गई हैं। अर्थात, कुल कृषि भूमि का 8 से 10 प्रतिशत से अधिक प्रभावित नहीं होगा। कुछ किसानों के लिए, पूरे खरीफ सीजन को पानी पिलाया जा सकता है। यह अर्ध-शहरी निवासियों के लिए सिर्फ एक असुविधा हो सकती है, लेकिन कृषि पर आधारित लाखों लोगों के लिए, यह पर्यावरणीय परिवर्तन जीवन बदलने वाला है।

यह सिर्फ अत्यधिक वर्षा के कारण नहीं है। बढ़ते तापमान, मौसमी, आदि ने भी किसानों के जीवन को प्रभावित किया है। यही है, किसानों को पारंपरिक फसल पैटर्न को बदलने की जरूरत है। लेकिन यह परिवर्तन व्यक्तिगत या सामुदायिक स्तर पर नहीं किया जा सकता है। यह सरकार की तरह एक मजबूत प्रणाली होनी चाहिए और इसे बदलती जलवायु, बदलते फसल पैटर्न आदि के अनुरूप नई किस्मों को विकसित करने के मुद्दों पर किसानों का मार्गदर्शन करना चाहिए। अभी भी कोई सबूत नहीं है कि हमारी सरकारों के पास इन पर्यावरणीय परिवर्तनों से निपटने के लिए प्रशासनिक उपकरण हैं।

पर्यावरण परिवर्तन, असामयिक और बरसात के मौसम आदि के लिए कृषि, मछली पकड़ने, पर्यटन जैसे कई मोर्चों पर नई नीतिगत सोच की आवश्यकता होती है। क्या ऐसा कुछ हो रहा है, इस सवाल का जवाब नकारात्मक होगा। हमारे राजनेता इन गंभीर सवालों की तुलना में विकास कार्यों में अधिक रुचि रखते हैं।विकास का मतलब है 'बिल्डर केंद्रित' कार्य, परियोजनाएं हाथ में लेना। चाहे दिल्ली हो, पुणे हो, मुंबई हो या कहीं और। इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग का मतलब है जितने चाहे बिल्डरों को ठेके देना चाहते हैं। बाकी शहरी पहाड़ियों पर इमारतें खड़ी करने में कोई शर्म नहीं है, और बाकी शहरी पहाड़ियों पर उन्हें बनाने में कोई शर्म नहीं है।

तो क्या यह कोई आश्चर्य की बात है कि 300-400 मिमी बारिश में भी, हमारे शहर और ग्रामीण इलाके संघर्ष कर रहे हैं? मुंबई जैसे शहरों में, हमारे विकास-प्रेमी शासक अतिरिक्त पानी को अवशोषित करने वाले खाड़ियों के किनारे इमारतों का निर्माण करने की अनुमति देंगे, नमक के तवे पर भी नहीं, और इन शासकों को ग्रामीणअवतार नदी बेसिन में निर्माण करने की भी अनुमति दी जाएगी। उनके कुछ भाई पर्यावरण, बागवानी के बारे में सोचे बिना 'शक्तिपीठ' उठाएंगे और शहरी पागलपन कभी यात्रा नहीं करेगा। या यहां तक कि फिसलने और अपने पैरों को मारने के लिए।

हार का ठीकरा आयोग और भाजपा पर फोड़ना कब तक?

-सुरेश गांधी

वोटर भारतीय लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है। उसकी नीयत और ईमानदारी पर प्रश्नचिह्न लगाना न केवल अन्याय है बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास भी। विपक्ष को यह याद रखना चाहिए कि जनता सब समझती है और आखिरकार वही फैसला सुनाती है। विपक्ष को केवल आरोपों के बजाय सबूतों और कानूनी रास्तों का सहारा लेना चाहिए। चुनाव आयोग को प्रक्रिया की पारदर्शिता और जनता के भरोसे को सर्वोपरि रखना चाहिए। सरकार को नागरिकता का एक सर्वमान्य और ठोस प्रमाणपत्र (यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड) देना होगा। आजादी के 78 साल बाद भी अगर यह सवाल बना हुआ है कि कौन भारतीय है?, तो यह केवल हास्यास्पद ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक विफलता है। मतदाता सूची पर चल रही यह बहस केवल बिहार का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे भारत की लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। चुनाव आयोग को सिद्ध करना होगा कि एसआईआर न केवल वैधानिक है, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास है, न कि उसे कमजोर करने वाला कदम। पारदर्शिता बनाए रखना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। विपक्ष को कहना चाहिए कि वह वोट चोरी जैसे नारे छोड़कर ठोस तथ्य और कानूनी प्रक्रिया पर भरोसा रखे। जनता अब केवल आरोपों से प्रभावित नहीं होती, उसे साक्ष्य और समाधान चाहिए। नियम और संस्थान, जैसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश, रिप्रजेंटेशन आफ दी पिपुल एक्ट, 1950, और अन्य, जब लोकतंत्र की रक्षा के लिए काम करते हैं, तो उन्हें राजनीतिक लाभ से ऊपर रखा जाना चाहिए.

भारत का लोकतंत्र अपनी मजबूती और व्यापकता के लिए पूरी दुनिया में सराहा जाता है। लेकिन यही लोकतंत्र तब सवालों के घेरे में आ जाता है जब मतदाता सूची पर विवाद खड़ा होता है। ताजा मामला बिहार का है, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अपनी हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के आरोपों का जिस आक्रामक और स्पष्ट शब्दों में जवाब दिया, उसने बहस को नया मोड़ दे दिया है। विपक्ष, खासकर इंडिया गठबंधन का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची से छेड़छाड़ कर बीजेपी को चुनावी लाभ पहुंचाने की तैयारी हो रही है। जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि यह महज आरोप है, जिसका कोई ठोस आधार नहीं है। आयोग ने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की रणनीति करार दिया। यह विवाद केवल बिहार का नहीं है, बल्कि देश के लोकतंत्र, मतदाता की पहचान और नागरिकता के सवालों से गहराई से जुड़ा है। दरअसल, भारतीय राजनीति में चुनाव से पहले वोट चोरी का मुद्दा उठाना नई बात नहीं है। बिहार की राजनीति तो दशकों से इस आरोप की छाया में रही है। कभी पूरे मुहल्ले के मुहल्ले मतदाता सूची से गायब हो जाते थे, तो कभी मृत लोगों के नाम से वोट पड़ते थे। लेकिन अब तकनीकी साधनों और सतर्क मतदाताओं के कारण हालात बदल चुके हैं।

> **भारतीय लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि जनता का फैसला मानने की जगह विपक्ष अब हर बार चुनाव आयोग और भाजपा को कटघरे में खड़ा कर देता है। आरोप लगाया जाता है कि भाजपा लगातार तीन बार वोट चोरी करके सत्ता में आई। सवाल यह है कि अगर जनता का जनादेश ही मान्य नहीं, तो फिर लोकतंत्र का अस्तित्व किस लिए है? 2014 के पहले तक दशकों तक कांग्रेस और विपक्ष ही सत्ता में रहे। भाजपा को मुश्किल से कुछ वर्षों का ही कार्यकाल मिला। फिर अचानक मोदी लहर आई और भाजपा को लगातार बहुमत मिला। यह जीत महज ह्लवोट चोरीह्व नहीं हो सकती। सर्वेक्षणों से लेकर बूथ स्तर तक भाजपा ने जिस तरह संगठन खड़ा किया और जनता का विश्वास जीता, वही उसकी जीत का कारण बना। दरअसल, विपक्ष अपनी नाकामी छिपाने के लिए अब संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने की रणनीति अपना रहा है। आजादी के बाद से लेकर 2014 तक जिन संस्थाओं को विपक्ष ने अपना हथियार बनाकर रखा, अब वही संस्थाएं चोर लग रही हैं? क्या चुनाव आयोग, ईवीएम, सुप्रीम कोर्ट और यहाँ तक कि मतदाता तक सब गलत हैं और केवल विपक्ष ही सही? सच्चाई यह है कि जनता विपक्ष की कथनी-करनी को देख चुकी है। लालू यादव चारा घोटाले में दोषी ठहराए जा चुके हैं। राहुल गांधी बेल पर हैं और उनकी पार्टी पर अरबों के घोटाले के गंभीर आरोप हैं। जो दल खुद भ्रष्टाचार की दलदल में फंसे हैं, वे दूसरों पर ईमानदारी का पाठ कैसे पढ़ा सकते हैं? असल सवाल यह है कि विपक्ष हर बार हार को चोरी क्यों बता देता है? क्या यह मतदाता की समझदारी पर सवाल नहीं है? भाजपा को जनता ने बार-बार चुना है क्योंकि उसने आशा दिखाई है। विपक्ष यदि सबूत नहीं दे सकता तो उसे आरोप लगाने का अधिकार भी नहीं है। लोकतंत्र को बचाना है तो विपक्ष को झूठे आरोपों की राजनीति छोड़कर जनता से जुड़ना होगा। वरना जनता यह भी समझती है कि जो हारते हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचाते हैं।**

चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि बिहार एसआईआर प्रक्रिया में 1.6 लाख से अधिक बूथ स्तर एजेंटों (बीएलए) और राजनीतिक दलों की भागीदारी रही। फिर भी विपक्ष ने बिना सबूत यह कहना शुरू किया कि आयोग बीजेपी के इशारे पर वोट चोरी करवा रहा है। सीईसी का यह बयान कि कुछ दल चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर मतदाताओं को निशाना बना रहे हैंह्व भले ही विपक्ष को नागवार गुजरा हो, मगर यह सच्चाई से दूर भी नहीं। दरअसल विपक्ष ने आयोग के खिलाफ नरेटिव खड़ा करके राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की है। इस विवाद का सबसे बड़ा पहलू सीसीटीवी फुटेज है। विपक्ष चाहता है कि मतदाता सूची की अनियमितताओं के सबूत सार्वजनिक किए जाएं। जवाब में ज्ञानेश कुमार ने कहा, क्या चुनाव आयोग को किसी भी मां, बहन, बेटी के सीसीटीवी वीडियो मीडिया में साझा करने चाहिए? हालांकि यहां दो अहम पहलू हैं. विपक्ष का तर्क है, पारदर्शिता के लिए सबूत सार्वजनिक करना जरूरी है। आयोग का कहना है कि मतदाताओं की निजता संवैधानिक अधिकार है, इसे किसी भी कीमत पर भंग नहीं किया जा सकता। मतलब साफ है, सच इन दोनों के बीच कहीं है। सीसीटीवी फुटेज को मीडिया में सार्वजनिक करना निजता का उल्लंघन होगा। पर आयोग को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दोनों पक्षों की मौजूदगी में फुटेज की जांच हो। इस बीच के रास्तेह्व से ही पारदर्शिता और निजता दोनों सुरक्षित रह सकती हैं।

बता दें, जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 80 और 81 स्पष्ट कहती है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के भीतर ही किसी भी उम्मीदवार या दल को हाई कोर्ट में चुनाव याचिका दायर करनी होगी। ज्ञानेश कुमार का कहना था कि विपक्ष ने समय रहते यह कानूनी कदम नहीं उठाया और अब केवल मीडिया में आरोप लगा रहा है। यह बात तथ्यात्मक रूप से सही है। कर्नाटक के बर्खास्त मंत्री राजन्ना ने भी कहा था कि ह्लजब महादेवपुरा में फर्जी वोट बन रहे थे तब सरकार क्यों सोई?ह्व। यह सवाल विपक्ष पर बिहार में भी लागू होता है। अगर सचमुच मतदाता सूची में गड़बड़ी थी, तो कांग्रेस या राजद को समय रहते आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी। बिहार विवाद में ह्लजीरो नंबर वाले पतेह्व पर भी सवाल उठे। विपक्ष ने इसे गड़बड़ी बताया। लेकिन सीईसी ने स्पष्ट किया कि देश भर में करोड़ों घरों को आज तक कोई आधिकारिक नंबर आवंटित नहीं किया गया है, खासकर ग्रामीण और अनधिकृत कॉलोनियों में। ऐसे मामलों में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची में पता ह्लजीरो नंबरह्व दर्ज करते हैं। यह कोई षड्यंत्र नहीं बल्कि दशकों से चली आ रही प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। यह हमारे शासन तंत्र की कमजोरी है कि आज भी करोड़ों भारतीयों का आधिकारिक पता तक दर्ज नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि ह्लआधार, पैन और वोटर कार्ड नागरिकता साबित नहीं करतेह्व। सुप्रीम कोर्ट ने भी यही मत दोहराया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि जिन दस्तावेजों पर अब तक नागरिकता का भरोसा किया गया, वे केवल पहचान पत्र हैं, नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि देश के 95 करोड़ मतदाता अब एक सवाल के साथ खड़े हैं, ह्लअगर ये कार्ड नागरिकता का सबूत नहीं तो नागरिकता किससे साबित होगी?ह्व यही कारण है कि विशेषज्ञ अब यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड की जरूरत पर जोर दे रहे हैं, जैसा अमेरिका का सोशल सिक्योरिटी नंबर या ब्रिटेन का नेशनल इंश्योरेंस नंबर है।

मीमांसा खोखला पाश्चात्य दर्शन बनाम सनातनीं संस्कृति-संस्कार

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

टाटा मोटर्स की दक्षिण अफ्रीका में धमाकेदार वापसी

मुंबई। भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स की सहायक इकाई टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने दक्षिण अफ्रीका के यात्री वाहन बाजार में पुनः प्रवेश करते हुए कंपनी की वैश्विक यात्रा का एक नया अध्याय शुरू किया है। जोहान्सबर्ग के सैंडटन स्थित द गैलेरिया में आयोजित भव्य लॉन्च इवेंट में कंपनी ने चार नए मॉडल–हैरियर, कर्व, पंच और टियागो–का अनावरण किया। ये वाहन विशेष रूप से दक्षिण अफ्रीकी उपभोक्ताओं की विविध मोबिलिटी जरूरतों और उनकी जीवनशैली को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। यह रणनीतिक कदम दक्षिण अफ्रीका के अग्रणी ऑटोमोबाइल समूह मोटस होल्डिंग्स के साथ मजबूत साझेदारी पर आधारित है। हाल के वर्षों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने भारत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है–जहां 2020 में बिक्री 1,70,000 यूनिट्स थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 5,60,000 यूनिट्स तक पहुँच गई, जो 350% की शानदार वृद्धि दर्शाती है। सुरक्षा के मामले में भी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में अग्रणी है और इसके सभी मॉडल्स को ग्लोबल और भारत से 4 या 5-स्टार की उच्चतम सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। इस लॉन्च के अवसर पर टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड एवं टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में हमारी वापसी टाटा मोटर्स के वैश्विक सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम अत्याधुनिक तकनीक, बेहतरीन सुरक्षा और आधुनिक डिजाइन वाली नई पीढ़ी की गाड़ियां लेकर आ रहे हैं। मोटस के साथ साझेदारी के जरिए हम दक्षिण अफ्रीकी ग्राहकों को भरोसेमंद सेवा और बेहतर स्वामित्व अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पेटीएम के संस्थापक द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएंगे

मुंबई। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएंगे। यह एपिसोड 23 अगस्त को प्रसारित होगा। आज के नवीनतम प्रसारण में जारी ट्रेलर से पुष्टि हुई कि यह शर्मा का नेटफ्लिक्स पर पहला आगमन होगा। यह उपस्थिति उस समय आ रही है जब पेटीएम पूर्ण भारतीय स्वामित्व में परिवर्तित होकर लाभ में लौट आया है–इसे उद्योग पर्यवेक्षक फिनटेक दिग्गज के लिए एक निर्णायक क्षण बता रहे हैं। यह उपलब्धि पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक से पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने की तत्त्वतः मंजूरी मिलने के बाद आई है, जो कंपनी की दीर्घकालिक वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण नियामकीय संकेत है। बाजार पर्यवेक्षकों का कहना है कि पेटीएम, उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए भारत का सबसे बड़ा व्यापारी भुगतान प्लेटफॉर्म बना हुआ है; क्यूआर कोड भुगतान, साउंडबॉक्स उपकरण और कार्ड मशीनों में इसकी अग्रणी स्थिति है, जिसे व्यापक व्यापारी नेटवर्क का समर्थन मिलता है। विश्लेषक व्यापक रूप से विजय शेखर शर्मा को भारत में मोबाइल भुगतान का अग्रदूत मानते हैं, जिन्होंने लाखों छोटे व्यवसायों, सड़क विक्रेताओं और बड़े उद्यमों को डिजिटल लेनदेन सहजता से स्वीकार करने में सक्षम बनाया। इस वर्ष की शुरुआत में, शर्मा ने एक निपटारे के हिस्से के रूप में लगभग 492 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर स्वेच्छा से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को सौंप दिए–यह कदम नियामकीय मामलों के समाधान और ह्यअनुपालन-प्रथमह्व संचालन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पेटीएम पर नजर रखने वाले निवेशकों का कहना है कि कंपनी का हालिया टर्नअराउंड, शर्मा के धैर्य और अनुपालन पर केंद्रित तेज ध्यान के साथ-साथ भुगतान समाधानों में नवाचार को आगे बढ़ाने का परिणाम है। उद्योग विश्लेषकों ने इसे संक्षेप में यूं कहाः यह एक सांकेतिक क्षण है–जिस संस्थापक ने भारत को मोबाइल भुगतान करना सिखाया, वही अब करोड़ों भारतीयों तक पहुँचने वाले मंच पर कंपनी के पुनरुत्थान और भविष्य की वृद्धि का जश्न मना रहे हैं।

एसबीआई लाइफ ने लॉन्च किया एसबीआई लाइफ स्मार्ट शील्ड प्लस

मुंबई/पटना। भारत के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा प्रदाताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपने नवीनतम सुरक्षा प्रोडक्ट एसबीआई लाइफ ह्य स्मार्ट शील्ड प्लस को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह व्यक्तिगत, नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, शुद्ध जोखिम जीवन बीमा उत्पाद है, जिसे आज के उपभोक्ताओं की बदलती सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। भविष्य-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ, यह प्लान जीवन के विभिन्न अहम पड़ावों पर बढ़ती जिम्मेदारियों के अनुसार लचीला और स्केलेबल टर्म इंश्योरेंस प्रदान करता है। एसबीआई लाइफ स्मार्ट शील्ड प्लस को इस तरह डिजाइन किया गया है कि लंबी अवधि के सुरक्षा प्रबंधन को आसान और सार्थक बनाया जा सके। इसमें तीन विकल्प उपलब्ध हैं – लेवल कवर, इंक्रीसिंग कवर, और लेवल कवर विद फ्यूचर प्रूफिंग बेनिफिट – जिससे व्यक्ति अपने जीवन कवर को वित्तीय और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समायोजित कर सकते हैं।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी 500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है जो निफ्टी500 क्वालिटी 50 ळफ्क को ट्रैक करेगा। इस फंड का प्रबंधन श्री कार्तिक कुमार और श्री हितेश दास (फंड मैनेजर) करेंगे। यह फंड निवेशकों को निफ्टी 500 यूनिवर्स से चुनी गई भारत की 50 हाई-क्वालिटी कंपनियों में निवेश करने का एक सरल, पारदर्शी और किफायती तरीका प्रदान करेगा। इसका अंडरलाइंग निफ्टी500 क्वालिटी 50 इंडेक्स अपने घटकों का चयन कुछ खास मापदंडों के आधार पर करता है, जैसे कि हाई रिटर्न ऑन इक्विटी, कम फाइनेंशियल लीवरेज और स्थिर अर्निंग्स ग्रोथ। यह एक अनुशासित और नियमों पर आधारित पद्धति है जो स्टॉक चयन की प्रक्रिया से मानवीय पूर्वाग्रह को हटाती है।

भारत के लिए उत्पाद संग्रह बढ़ाने के लिए मैरिको ने मीशो मॉल के साथ साझेदारी की

मुंबई/पटना। मीशो मॉल और मैरिको का गठबंधन मीशो प्लेटफॉर्म पर पर्सनल केयर एवं वैलनेस ब्रांड्स का संग्रह बढ़ाएगा। इस गठबंधन के बाद मैरिको के भरोसेमंद ब्रांड, जैसे पैराशूट एडवांस्ड, पैराशूट एडवांस्ड बेबी, लिवॉन, काया, बायो ऑयल और सेट वेट टियर 2 एवं अन्य शहरों में मीशो के बड़े ग्राहक वर्ग को उपलब्ध हो गए हैं। यह गठबंधन भारत में परिवारों के लिए उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने के मीशो और मैरिको के उद्देश्य के अनुरूप है। मीशो मॉल पर मैरिको के इस पोर्टफोलियो ने पर्सनल केयर, हैल्थ एवं वैलनेस सिहत मुख्य श्रेणियों को मजबूत बनाया है। मीशो मॉल पर मैरिको के लॉन्च के एक महीने के अंदर ही हेयर सीरम, हेयर ऑयल और डेली ग्रूमिंग के उत्पादों को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। लखनऊ, कोच्चि, सूरत और गुवाहाटी जैसे क्षेत्रों में इनकी काफी ज्यादा मांग है।

पालकमंत्री ने वाडा व जव्हार तहसील का दौरा कर बारिश से उत्पन्न हालात का किया अवलोकन

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र के वनमंत्री तथा पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने वाडा और जव्हार तहसील के विभिन्न इलाकों का दौरा कर पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलधार बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़, जव्हार प्रकल्प अधिकारी अपूर्वा बासुर, पालकमंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी भवानजी आगे पाटील, जिला नियोजन अधिकारी प्रशांत भामरे, जव्हार के गट विकास अधिकारी दत्तात्रेय चित्ते समेत सार्वजनिक बांधकाम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।पालकमंत्री गणेश नाईक ने वाडा तहसील के चिंचघर गांव का दौरा कर बारिश से ग्रामीणों को हो रही कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, भोजन सामग्री, सुरक्षित आवास और अखंडित बिजली आपूर्ति की व्यवस्था तत्काल की जाए। दौरे के दौरान मंत्री नाईक ने जव्हार तहसील के जुने जव्हार ग्राम पंचायत क्षेत्र के गुंडपाड़ा और ताड़पाड़ा में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क की गुणवत्ता की जांच कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर और समय पर सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है, इसलिए सड़क निर्माण का कार्य निर्धारित समय में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

ज्ञात हो कि यह सड़क महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत मंजूर की गई है, जिसकी कुल लंबाई 600 मीटर है। फिलहाल मुरमीकरण का काम पूरा हो चुका है। सड़क को टिकाऊ बनाने के लिए दो बड़े पुलियों (मोरी) की आवश्यकता है। इनमें से एक पुलिया जिला नियोजन समिति के माध्यम से मंजूर होकर पूरी हो चुकी है।

दूसरी पुलिया का प्रस्ताव प्रशासन के पास लंबित है, जिसे जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। इस काम के पूर्ण होने पर कशिवली-गुंडपाड़ा सड़क मुख्य मार्ग से जुड़ जाएगी। इससे ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और दलणवलण की सुविधाएं बेहतर होंगी। पालकमंत्री गणेश नाईक ने विश्वास जताया कि यह सड़क पूरी होने के बाद स्थानीय नागरिकों को विकास का ठोस लाभ मिलेगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

भिवंडी से अहमदाबाद जा रहे कंटेनर का ब्रेक फेल होने से तालाब में गिरा

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी से अहमदाबाद जा रहे कंटेनर का शहर के पास काटई ग्राम पंचायत क्षेत्र के तलवली नाका पर ब्रेक फेल हो जाने से ड्राइवर ने सावधानी बरतते हुये तालाब की सुरक्षा दीवार में टक्कर मारकर रोकने की कोशिश किया लेकिन कंटेनर दीवार तोडते हुये तालाब में घुस गया। बताई कि बुधवार सुबह करीब 8 बजे यह कंटेनर भिवंडी से परोल होते हुए अहमदाबाद जाने के लिए निकला था। जब कंटेनर कटई के तलवली नाका पर पहुँचा तो उसके ब्रेक फेल हो गए।

चालक ने सावधानी बरतते हुए आगे चल रहे वाहनों को बचाने के लिए उसे तालाब की सुरक्षा दीवार से टकराकर रोकने की कोशिश की। लेकिन कंटेनर नियंत्रण में न होने के कारण सीधे तालाब में जा घुसा। कंटेनर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं देखने वालों की भीड़ लग गई।

पालक मंत्री गणेश नाईक ने छात्रावास का दौरा कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक सुविधाओं का किया अवलोकन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के वन मंत्री तथा पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक ने विक्रमगढ़ तहसील के साखरे गांव स्थित क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले छात्रावास का दौरा कर वहाँ की शैक्षणिक व बुनियादी सुविधाओं की गहन समीक्षा की।

दौरे के दौरान पालकमंत्री ने छात्रावास में रह रही छात्राओं से संवाद साधते हुए उन्हें उपलब्ध आवास, भोजन, शिक्षा, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं की प्रत्यक्ष जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति और सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही जहाँ-जहाँ सुधार की आवश्यकता है, वहाँ तत्काल कदम उठाए जाएं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड, जव्हार प्रकल्प अधिकारी अपूर्वा बासुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पालकमंत्री गणेश नाईक ने अधिकारियों को छात्राओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और प्रोत्साहनपूर्ण माहौल तैयार करने के ठोस उपाय करने के आदेश दिए। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सशक्त साधन है और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले ने जिस मार्ग का दर्शन कराया, उस पर चलकर प्रत्येक छात्रा को अपनी प्रगति सुनिश्चित करनी चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर भिवंडी मनपा में मनाया गया सद्भावना दिवस

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा ने सरकार के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सद्भावना दिवस के रूप में मनपा मुख्यालय प्रांगण में मनाया। बताई कि सरकारी परिपत्र के अनुसार भिवंडी मनपा प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में सद्भावना दिवस की शपथ ली गई। इस शपथ का मुख्य उद्देश्य राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देना, सद्भाव बढ़ाना और हिंसा से बचना था, इसलिए भिवंडी मनपा के नए प्रशासनिक भवन प्रांगण में शपथ ली गई। इस अवसर पर शहर अभियंता जमील पटेल, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) अजीत महाडिक, कर मूल्यांकन अधिकारी सुधीर गुरव, मुख्य उद्यान अधीक्षक नीलेश संखे, क्रीड़ा अधिकारी मिलिंद पलसुले, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक हरीश भंडारी, मनपा जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी आदि के साथ भारी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

महेश गायकवाड़ द्वारा आयोजित मंगलागौर प्रतियोगिता कार्यक्रम

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मंगलागौर यह उत्सव महिलाओं का होने के बावजूद इस कार्यक्रम से महिला बहनें अपनी जो भी व्यथा व्यक्त करती हैं वह पुरुषों तक पहुँचानी हो तो ऐसे कार्यक्रमों में पुरुषों की भी भागीदारी लेनी चाहिए, ऐसे विचार जनसेवक महेश गायकवाड़ ने कल्याण पूर्व में आयोजित मंगलागौर प्रतियोगिता कार्यक्रम में व्यक्त किए। महिला जिला प्रमुख छायाताई वाघमारे ने महेश गायकवाड़ के सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए, उनके भावी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अश्विन पूर्णिमा के बाद आने वाले प्रत्येक मंगलवार को नवविवाहित और सौभाग्यवती महिलाओं की भागीदारी से मनाया जाने वाला मंगलागौर कार्यक्रम का एक हिस्सा स्वरूप प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के माध्यम से इस मंगलागौर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शिवसेना की उपनेता विजया पोटे, जिला प्रमुख छाया वाघमारे समेत पूर्व नगरसेविका सुशीला माली, शीतल मंढारी, अंबरनाथ तालुका प्रमुख रोशना पाटिल आदि मान्यवर महिलाएँ उपस्थित थीं। इस प्रतियोगिता में 15 से अधिक मंगलागौर महिला मंडलों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में पहले तीन मंगलागौर महिला मंडलों को नगद राशि, प्रमाणपत्र और आकर्षक सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का नियोजन प्रशांत बोटे ने किया।

बाढ़ग्रस्त वसई से 194 नागरिक सुरक्षित रेस्क्यू

पालघर(उत्तरशक्ति)। वसई तहसील के सारजा मोरी और भेंडीपाड़ा (मोरी) में मूसलधार बारिश के चलते बाढ़ का पानी घुसने से बड़ी आपदा की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मंगलवार सुबह नदी-नालों में आए तेज उफान के कारण कई नागरिक फंस गए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र तुरंत सक्रिय हुआ। एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय नागरिकों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया।

इस अभियान में भेंडीपाड़ा (मोरी) के 157 और सारजा मोरी के 37 नागरिकों सहित कुल 194 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बड़ी सतर्कता और शिताफी से बाहर निकाला गया। नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए नौकाओं और रस्सियों का सहारा लिया गया। एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों की संयुक्त कार्रवाई से यह बचाव कार्य संभव हो पाया। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने फंसे हुए नागरिकों से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया और प्रशासन को तत्काल राहत, भोजन और निवास व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मौके पर उपविभागीय अधिकारी शेखर घाडगे भी मौजूद रहे। प्रशासन ने प्रभावित नागरिकों के लिए तुरंत निवास और भोजन की व्यवस्था की है। डोंगरपाड़ा जिला परिषद स्कूल में 51, प्रगति कंपाउंड में 36 और अरिहंत कैंपस में 70 लोगों को शरण दी गई है। शेष 37 नागरिकों को गांव के सुरक्षित स्थानों पर उनके परिजनों के पास पहुंचाया गया है। इस बीच, प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे खतरे वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। समय पर मिली मदद से बड़ी दुर्घटना टल गई, इस पर स्थानीय नागरिकों ने राहत और कृतज्ञता व्यक्त की है।

जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने वसई तहसील के कामन और मोरीगांव क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति, नागरिकों की परेशानियों और स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. जाखड़ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया और यह सुनिश्चित किया कि बाढ़ प्रभावित नागरिकों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है या नहीं।

उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ के कारण संभावित रूप से फैलने वाली बीमारियों पर विशेष निगरानी रखी जाए, स्वच्छता का ध्यान रखा जाए और आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तात्कालिक उपाय करने और बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक मदद व स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, वसई के प्रांत अधिकारी शेखर घाडगे, राजस्व विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

पालघर में शिवसेना की भव्य दहीहंडी, माऊली दहीहंडी पथक ने 8वें थर का पिरामिड बनाकर लहराया परचम

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर पालघर में शिवसेना द्वारा आयोजित दहीहंडी महोत्सव ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे के नेतृत्व में किया गया था। हजारों की भीड़ की मौजूदगी में विरार से आए प्रसिद्ध माऊली दहीहंडी पथक ने 8 थर का ऊंचा मानव पिरामिड बनाते हुए दहीहंडी फोड़कर सबको रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर पूरे मैदान में ह्रगोविंदा आला रेह्नह्व के जयघोष गूंज उठे। जैसे ही पथक ने दहीहंडी फोड़ी, वैसे ही दर्शक दीर्घा में बैठे लोग खुशी से झूम उठे और गुलाल, फूलों की वर्षा के साथ तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम में आसपास के गांवों व शहरों से बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। पालघर जिले में सबसे बड़ी दहीहंडी का मान इस आयोजन को मिला। आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। साथ ही, गोविंदाओं को किसी भी प्रकार की चोट न पहुंचे इसके लिए कुशनिंग और प्राथमिक उपचार की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे ने कहा कि ह्रदहीहंडी सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि भाईचारा, एकता और टीम स्पिरिट का प्रतीक है। इस बार पालघर ने जिले में सबसे ऊंचा मानव पिरामिड बनाकर इतिहास रच दिया है।ह्व इस दहीहंडी महोत्सव ने न सिर्फ गोविंदा पथकों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि आम नागरिकों को भी जन्माष्टमी पर्व की भक्ति और उल्लास में डूबो दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेखर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सुनिश्चत करें विभाग: डीएम

फार्म भरवाने के लिए अलग से पटल खोलें विद्यालय: कुलपति

पीयू में छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए हुई कार्यशाला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति दिलाने में आने वाली समस्याओं को लेकर की गई थी। इसमें जनपद के विद्यालय और महाविद्यालय से आए शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि कर्मचारियों की संवेदनशीलता और सक्रियता के चलते इस वर्ष 98% विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिली है। उन्होंने इसकी सराहना की। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना के पारदर्शी व प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि बिना किसी दिक्कत के हर पात्र विद्यार्थी को योजना का लाभ मिले। इसमें प्रशासन हर स्तर पर विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करेगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति

प्रो. वंदना सिंह ने जिलाधिकारी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में तिरंगा यात्रा से जिले ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। साथ ही कहा कि डीएम साहेब विद्यार्थी जीवन से ही सक्रिय रहते थे। उनकी कार्यशैली से तिरंगा यात्रा में जो उपलब्धि मिली है उससे पूरा जिला गौरवान्वित है। उन्होंने विद्यालयों से अपील की कि छात्रवृत्ति फार्म सही-सही भरवाने के लिए प्रत्योक संस्थान विशेष पटेल खोलें, ताकि कोई भी छात्र वंचित न रहे। हालांकि मेरा विश्वविद्यालय इस मामले में प्रतिबद्ध है कि योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों को समय से मिल सके, ताकि उनकी शिक्षा में कोई आर्थिक व्यवधान न आएं।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा और समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने छात्रवृत्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। बताया कि रिनुअल विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति 2 अक्टूबर और 26 जनवरी तक खातों में पहुंच जाएगी। विद्यालयों से कहा गया कि 31 अगस्त तक आवेदन प्रस्तुत करे। जिससे अधिकतम विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। अभी तक कि इसमें जो स्थिति अब तक थी उस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। कहा कि दस दिन का समय है इसे लोग प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर लें। अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव और संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी अजय अम्बष्ट, संकाय अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, बीएसए गोरखनाथ पटेल, एडीएसडब्ल्यू डॉ. मनोज कुमार पांडे, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुश्री अनिता दिव्यांग कल्याण अधिकारी सुश्री दिव्या शुक्ला, सहित जनपद के माध्यमिक व उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहगंज पुलिस ने शातिर अंतर्जनपदीय गांजा-तस्कर को तीन किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शाहगंज मय पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन की चेकिंग के दौरान आज दिनांक 20.08.2025 को सुबह 11:15 बजे पब्लिक इंटर कॉलेज फैजाबाद रोड से शातिर अंतर्जनपदीय गांजा-तस्कर 1. हसन अहमद पुत्र अली अहमद निवासी ग्राम कटया बढियान टोला थाना कोतवाली सदर जनपद बाराबंकी को 03 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा के साथ किया गया गिरफ्तार। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0 298/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है पूछताछ पर बताया कि यह गांजा बिहार से हम लोग मगाते हैं जो देता है उसका नाम पता नहीं जानते हैं जिसको हम लोग बेचकर रोजी-रोटी अपना कमाते हैं। गिरफ्तार आरोपी का नाम पता 1.हसन अहमद पुत्र अली अहमद निवासी ग्राम कटया बढियान टोला थाना कोतवाली सदर जनपद बाराबंकी।

बरामदगी का विवरण, 1.03 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा, 2.एक अदद मो0सा0 यूपी 32एवी 3026, 3. जामा तलाशी का 300 रुपया, 4.जामा तलाशी का एक अदद मोबाइल।

कुल्हाड़ी के वार से घायल लाइनमैन की इलाज के दौरान हुई मौत

◆ आक्रोशित ग्रामीणों ने कोतवाली का किया घेराव

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक प्राइवेट लाइनमैन की तार लगाने के लिए पेड़ की टहनियां काटने को लेकर हुए विवाद में घायल युवक की मौत हो गयी। बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बद्दोपुर निवासी 40 वर्षीय कमलेश बिंद पुत्र स्व. रामकरण बिंद प्राइवेट लाइनमैन का काम करता था। चार अगस्त को कमलेश बिंद की पत्नी रीता देवी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया था की दुर्गेश कुमार जो मेरे पति के साथ काम करता है अक्सर किसी बात को लेकर जान से मारने की धमकी देता है।चार अगस्त को दुर्गेश ने मेरे पति कमलेश पर कुल्हाड़ी से गर्दन और सर पर हमला किया है। हमले में कमलेश बुरी तरह घायल हो था जिसका इलाज जौनपुर के लाइफ लाइन हास्पिटल में इलाज चल रहा था। बुधवार की दोपहर कमलेश की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मौत की खबर सुनकर परिजन

मृतक कमलेश बिंद

उक्त अस्पताल पहुंचे और डेडबॉडी को गॉव लेकर आये जहां से सैकड़ों की सँख्या ग्रामीणों ने शव को लेकर कोतवाली पहुँचे और कोतवाली का घेराव करते हुए दोषियों पर सख्त कार्यवाई की मांग की।

वहीं मृतक के भाई उदयराज बिंद ने बताया की मेरे भाई के साथ एक पेड़ की टहनी काटने को लेकर किसी से कहा सुनी थी।जिसमे दुर्गेश शामिल था उसे पूरी बात मालूम है मगर वह बता नही रहा है।

सूत्रों का कहना है की कोतवाली पुलिस क्षेत्र के लोनियापट्टी निवासी दुर्गेश कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस सम्बंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने कहा की मृतक ने बयान दिया था जब वह घायल हुआ था की वह गिर गया था। जिससे गम्भीर चोट लग गयी थी। वह इलाज से ठीक भी हो गया था। फिर दोबारा भर्ती हुआ था। वही आरोपी के हिरासत की बात को सिरे से खारिज करते हुए प्रभारी निरीक्षक ने कहा की अभी कोई कार्यवाई नही हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों के जानने के बाद आगे की कार्यवाई तय की जाएगी।

भुडकुड़हा रेलवे फाटक के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

मानीकलाँ,(जौनपुर)। थाना खेतासराय क्षेत्र के भुडकुडहा रेलवे फाटक के पास कि.मी. संख्या 845/42-41 पर बुधवार को ट्रेन से गिरने से करीब 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना प्वाइंट मैन विजय कुमार ने पुलिस को दी। मौके

पर पहुँची खेतासराय पुलिस ने आसपास के लोगों से शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस जौनपुर भेज दिया गया।

केराकत पुलिस ने 24 घंटे के अंदर चोरी गई साईकिल किया बरामद, चोर गिरफ्तार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष केराकत के नेतृत्व में केराकत पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-232/25 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस थाना केराकत जौनपुर का सफल अनावरण करते

हुये आरोपी मदन मुसहर पुत्र मुक्कू निवासी बोझवा थाना केराकत जनपद जौनपुर उम्र 20 वर्ष को दिनांक-20.08.2025 को मुरलीपुर अण्डर पास से गिरफ्तार किया गया व गिरफ्तार चोर/ आरोपी के पास से चोरी गयी 01 लेडिज साइकिल बरामद किया गया है। आरोपी उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया, अग्रेत्तर कार्यवाही प्रचलित है।

लाठी-डंडों और रॉड से लैस दर्जनों लोगों ने घर में घुसकर महिलाओं को पीटा

सैकड़ो ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में किया विरोध प्रदर्शन

सुशील गुप्ता

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के हमजापुर गांव में एक परिवार पर सामूहिक हमले का मामला सामने आया है। 12 अगस्त को शाम 4 बजे संजय यादव, सतीश यादव, गुड्डू यादव सहित करीब 15 लोगों ने मोहनलाल प्रजापति के घर में घुसकर हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडे, हॉकी और रॉड से प्रजापति परिवार को निशाना बनाया। मोहनलाल की पत्नी सज्जो देवी, चचेरे भाई की

पत्नी विद्या देवी और तीन बेटियां छाया, संगीता और प्रियंका प्रजापति घायल हुईं। आरोपियों ने घर का सामान तोड़ा और गर्भवती पशुओं को भी चोट पहुंचाई।

जान से मारने की धमकी देकर फरारः विद्या देवी, सज्जो देवी और मोहनलाल प्रजापति को हाथ, कमर और आंख के पास चोटें आईं। कुछ लोगों के हाथ टूट गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के विरोध में बुधवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम और एसपी से मुलाकात की। ग्रामीणों ने सरायख्वाजा पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की।

थाने पहुंचा पीड़ित परिवारः पीड़ित परिवार थाने पहुंचा, जहां थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज की। परिवार को अभी भी जान-माल का खतरा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इन दबंगों ने पहले भी कई लोगों के साथ ऐसी घटनाएं की हैं। पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से अपराधी बार-बार ऐसी वारदातें करते हैं। दक्ष सेना प्रमुख वीर प्रजापति प्रदेश अध्यक्ष रामवचन प्रजापति सहित प्रजापति समाज के सैकड़ो लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया टूटी हाथ लेकर पीड़ित पहुंची डीएम के पास, को इंसाफ के लिए आगे और लड़ाई है परंतु हम पीछे नहीं हटेंगे का आवाहन किया।

हेट स्पीच मामले में हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की सजा पर लगाई रोक

अब्बास अंसारी की ओर से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने रखा अपना पक्ष

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक रहे अब्बास अंसारी की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की सिंगल डिविजन बेंच ने फैसला सुना दिया है। अब्बास अंसारी की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।

अब्बास अंसारी की ओर से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा था जबकि यूपी सरकार की ओर से महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्रा और अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी ने दलीलें पेश की थीं। उन्होंने एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट मऊ के फैसले पर रोक लगाने का विरोध किया था। बता दें वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में अब्बास ने एक सभा के दौरान

अधिकारियों के हिसाब किताब करने का बयान दिया था। इस बयान के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने मामला दर्ज कराया। इस मामले पर 31 मई को फैसला आया और 1 जून को विधानसभा सचिवालय ने मऊ सदर सीट को रिक्त घोषित कर दिया।

कोर्ट ने अब्बास को 2 साल की सजा और 3000 रुपये जुमार्ना लगाया था। एमपीएमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ अब्बास, जिला अदालत भी गए जहां से उनकी याचिका खारिज हो गई. जिसके बाद वह हाईकोर्ट आए। वर्ष 2022 के चुनाव में अब्बास और उनका परिवार यूं तो समाजवादी पार्टी में था लेकिन सुभासपा से साथ अलायंस में मऊ सदर सीट ओम प्रकाश राजभर की अगुवाई वाली पार्टी को गई थी। जिसके बाद यहां से अब्बास ने चुनाव लड़ा था।

सड़क हादसे में मासूम बच्चे की मृत्यु से परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मल्हनी पड़ाव के पास स्थित सड़क दुर्घटना में मासूम बच्चे की मृत्यु से परिजनों को गहरा दुख। यह दुर्घटना बुधवार सुबह लगभग 9:00 बजे की है आजमगढ़ जनपद के रामपुर खुर्द गांव निवासी शबेदार हुसैन का पुत्र मोहम्मद समद अपनी मां के साथ ननिहाल सरायलत्ता आया हुआ था। मां अपने बच्चों को लेकर कहीं जाने के लिए सड़क के किनारे खड़ी होकर सवारी गाड़ी का इंतजार कर रही थीं। उसी समय एक टोटो रिक्शा आकर रुक इसी बीच सवारी की नीयत से पीछे से आ रहे ।एक टोटो रिक्शा ने सामने वाले टोटो रिक्शा में टक्कर मार दिया जिसके कारण वह पलट गया। बच्चा उसी के नीचे दब गया, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी पुरानी बाजार गोविंद मौर्य मौके पर पहुंच गए और शव को अपने कब्जे में ले लिया। परिजनों द्वारा कोई कार्रवाई न चाहने के कारण बिना पोस्टमार्टम के लाश की मांग की गई कि पर पुलिस ने सहमति जताते हुए लाश को परिजनों को सौंप दिया।

थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड ने चलाया जनजागरूकता अभियान

जौनपुर(अत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित *मिशन शक्ति फेज-5.0* के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से

पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया।

प्रमुख बिंदु महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए। वीमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपात सेवा-112, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर हेल्पलाइन-1930, सहभागिता एवं संवाद अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धता। जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। सोशल मीडिया सेल जनपद जौनपुर।

जौनपुर से प्रयागराज जा रही रोडवेज जनरथ बस पर कार सवार बदमाशों ने किया हमला

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर से प्रयागराज जा रही रोडवेज जनरथ बस (UP53DT4802) पर मंगलवार रात लगभग 10 बजे बीबीपुर के पास कार सवार बदमाशों ने हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कार नंबर UP70GS7333 (XUV 300, सफेद रंग) से आए बदमाशों ने बस को ओवरटेक कर रोक लिया और बस चालक चंदन मलेशिया (निवासी कुशीनगर) पर रिवाल्वर की बट से हमला कर दिया। हमले में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर में चोट आई। घटना की सूचना पर सिकरारा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को मछलीशहर अस्पताल में भर्ती

कराया गया। इलाज के बाद बस को सिकरारा थाने पर खड़ा करा दिया गया है। चालक चंदन मलेशिया ने बताया कि जैसे ही उसने गुलजारगंज बाजार पार किया। कार सवार युवकों ने हार्न बजाकर हाथ दिया। उसे लगा कि शायद यात्री चढ़ना चाहते हैं। इसलिए बस धीमी की। तभी बदमाशों ने बस को आगे रोककर हमला कर दिया। पुलिस ने बदमाशों की कार का नंबर नोट कर लिया है और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना इस बात का प्रमाण है कि कार सवार बदमाश पुलिस-प्रशासन से बेखौफ हैं।

वहीं, सवाल उठ रहा है कि योगी सरकार की अपराधियों पर नकेल कसने की बातों के बावजूद ऐसे हमलावर सरेआम कैसे वारदात अंजाम दे रहे हैं।

प्रेमी से नाराज प्रेमिका ने खाया जहर, किया आत्महत्या का प्रयास

◆ मौके पर लोगों ने पहुँच कर पुलिस को दी सूचना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद रेलवे स्टेशन पर बुधवार दिन में प्रेमी के चक्कर में किशोरी ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। जफराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की 20 वर्षीय किशोरी एक युवक के प्रेम जाल में बुरी तरह से फस गई। प्रेमी ने उसे ठुकराने का बार-बार प्रयास किया जिसके कारण वह बुधवार दिन में जफराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचकर जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। जिससे वह अचेत होकर स्टेशन पड़ी हुई लड़की को देखकर स्थानीय लोगों समेत यात्रियों की अच्छी खासी भीड़ लग हो गई। घटना की जानकारी होते ही थाना अध्यक्ष जीआरपी भंडारी जीआरपी चौकी प्रभारी जाफराबाद सहयोगी जवानों के साथ पहुंचकर किशोरी को वहां से लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया और उसके परिजनों को सूचना दिया। घटना की जानकारी मिलने पर किशोरी की मां भी जिला अस्पताल पहुंच गई है। पूरे घटना की जानकारी के लिए राजकीय रेलवे पुलिस छानबीन करने में जुट गई है।

इलाज कराकर लौट रहे मां-बेटे को कार ने मारी टक्कर, मां की मौत, बेटा गंभीर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। स्थानीय बुढ़नपुर तहसील क्षेत्र के महेंदवारा, शाहपुर के पास बुधवार को दोपहर एक दर्दनाक हादसे में उदैना निवासी हरिकिशन निषाद (35 वर्ष) अपनी मां सुरसत्ती देवी (67 वर्ष) का इलाज कराकर घर लौट रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, हरिकिशन अपने मां-बेटे के साथ बुढ़नपुर से लौट रहे थे, जब दोपहर करीब 12 बजे शाहपुर के पास विपरीत दिशा से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मारी। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी लेकर अतरौलिया स्थित निजी अस्पताल पहुंचा। स्थानीय लोग घटना स्थल पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। अस्पताल में डॉक्टरों ने सुरसत्ती देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं हरिकिशन की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

अखिलेश के गुणगान के गाने नाचने पर प्रधानाध्यापक निलंबित

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के कोयलसा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मगरुपुर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमे वीडियो में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों की जगह समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने वाले गाने बजाए गए। इन्हीं गीतों पर स्कूली बच्चे डांस करते दिखे, जबकि विद्यालय के सहायक अध्यापक सुनील यादव तालियां बजाकर उन्हें उत्साहित कर रहे थे।

वीडियो सामने आने के बाद यह मामला तूल पकड़ गया। भाजपा जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह ने घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस का संदेश राष्ट्रप्रेम और सम्मान का होता है, लेकिन विद्यालय में इस तरह का राजनीतिक प्रचार करना पर्व की गरिमा को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने डीएम से शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित अध्यापक पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एडी बेसिक मनोज कुमार मिश्रा ने सहायक अध्यापक सुनील यादव को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया। इसके बाद बीएसए राजीव पाठक ने तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई पूरी कर दी। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारी कोयलसा को सौंपी गई है। बीएसए ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

NOBLE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE
नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम M.B.B.S., MD FICC (Cardiology) फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार M.B.B.S., M.I.M.A जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद B.U.M.S.CCH (Indore) N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच
◆ HbA1c की जाँच
◆ हड्डी की जाँच (BMD)
◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ यूरिक एसिड
◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 56 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस को मिली बड़ी सफलता कमिश्नरेट वाराणसी के थाना चोलापुर पुलिस ने 56.40 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान भोला यादव (उम्र 36) और इन्द्रजीत सिंह (उम्र 64) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत, गड़सरा से घरसौना जाने वाले मार्ग पर ये गिरफ्तारी की गई। अभियुक्तों के पास से 56.40 किलोग्राम अवैध गांजे के अलावा 16,27,840 नकद और अन्य सामान भी बरामद हुआ है।पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे यह गांजा बिहार से लाकर वाराणसी व आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे। इस मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा द्वारा गणेशोत्सव पर सेवादारों के लिए निःशुल्क बस सेवा

वसई पश्चिम। वसई रोड मंडल कार्यालयः गणेशोत्सव के शुभ अवसर पर कोंकण क्षेत्र जाने वाले सेवादारों के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार की प्रेरणा से, भाजपा कोंकण विकास आघाड़ी वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष जितेंद्र वेंगुर्लेकर के नेतृत्व में निःशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई है। इस सेवा के तहत वसई रोड मंडल कार्यालय में टिकट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष एवं कोंकण विकास आघाड़ी अध्यक्ष श्रीमती सुहास सुनीता राजाराम आदिवरेकर और मेरी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महेश सरवणकर, वसई रोड मंडल अध्यक्ष,अरुण इंगोले, मंडल महामंत्री अशोक खरपुडे, मंडल उपाध्यक्ष अर्जुन इंगोले, मंडल महामंत्री, श्रीमती स्मिता वेंगुर्लेकर, मंडल सचिव श्रीमती जिग्ना पिथवा, व अन्य अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता साथ ही, बड़ी संख्या में कोंकण जाने वाले सेवक भी उपस्थित थे। जिनकी सेवा भावना को भाजपा द्वारा यह सहयोग एक सच्चे सम्मान के रूप में दिया गया है।

सीआरपीसी द्वारा मीरा-भायंदर में सामाजिक गतिविधियों के सुधार हेतु प्रशिक्षण संगोष्ठी

मीरा रोड। मीरा-भायंदर, महाराष्ट्रः नागरिक अधिकार संरक्षण परिषद (CRPC), जो एनसीआईबी की सहयोगी संस्था है, द्वारा ठाणे जिले के महाजन हॉल, कनकिया, मीरा-भायंदर में ₹हमारी सामाजिक गतिविधियों में सुधार कैसे करें₹ विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों को सामाजिक गतिविधियों को अधिक प्रभावशाली और संगठित रूप से संचालित करने हेतु प्रशिक्षित करना था। संगोष्ठी के दौरान श्रीमती सुषमा अनिल मिश्रा को सीआरपीसी के ठाणे जिला सदस्य पद पर नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति स्वयं सीआरपीसी के महानिदेशक श्री सुरेश शुक्ला द्वारा प्रदान की गई, जिन्होंने संगोष्ठी में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका भी निभाई। इस प्रशिक्षण में प्रमुख बिंदुओं पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर सीआरपीसी महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें राज्य निदेशक देवेंद्र वखारिया, संभागीय महानिदेशक चंद्रशेखर धोत्रे, तथा क्षेत्रीय निदेशक गणेश नवाडे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। संगोष्ठी के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

एचडीएफसी बैंक ने भारतजीपीटी क्रिएटर कोरोवर में निवेश किया

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने एक अग्रणी संवादात्मक एआई कंपनी कोरोवर में निवेश की घोषणा की है। कोरोवर एक अग्रणी, संप्रभु और उद्यम-स्तरीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) है जिसने भारतजीपीटी का निर्माण किया है। कोरोवर का उपयोगकर्ता आधार लगभग 1 अरब है और इस पर 25,000 से अधिक उद्यम और डेवलपर्स भरोसा करते है जो संवादात्मक एआई एजेंट, एआई सहायक (वीडियोबॉट, वॉयसबॉट, चैटबॉट) और टेलीफोनी एआई समाधान विकसित करता है। ये समाधान भारतजीपीटी द्वारा संचालित हैं, जो एक बहुभाषी, बहुविध और डोमेन-अनुकूलनीय एलएलएम है, जिसे पूरी तरह से भारत में, भारत के लिए बनाया गया है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड ट्रेजरी, अरूप रक्षित ने कहा, ₹भारतजीपीटी का विकास, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में कई भारतीय भाषाओं में सूचनाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, ने कोरोवर को हमारे लिए विशिष्ट बना दिया है। हम कोरोवर की विशेषज्ञता को महत्व देते हैं, जो विशिष्ट स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। कोरोवर के संस्थापक और सीईओ अंकुश सभरवाल ने कहा, भारतजीपीटी की पहुँच और प्रभाव का विस्तार करते हुए हमें एचडीएफसी बैंक और अन्य निवेशकों का विश्वास और समर्थन प्राप्त करने पर गर्व है।

उत्तर यादव युवा संघ कल्याण जिला द्वारा मेधावी छात्रों का भव्य सत्कार समारोह सम्पन्न

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। सामाजिक कार्यों में पिछले 26 वर्षों से अग्रणी संस्था उत्तर यादव युवा संघ (रजि.) द्वारा एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्था की कल्याण जिला इकाई ने जोंधले विद्यालय हाल, डोंबिवली में मेधावी छात्र सत्कार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया, जिसमें लगभग 50 छात्रों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवनारायण रामबरन यादव एवं कल्याण जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष उदयराज बनवारी यादव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता उल्हासनगर विधान मंडल कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव विजय बहादुर लालजी यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालमणि भगेलू यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभयराज मुनिलाल यादव एवं उमेश लौहर यादव, प्रशिक्षण समिति अध्यक्ष दयाशंकर शमशेर बहादुर यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव समेत अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कल्याण जिले के पदाधिकारियों में जिला अध्यक्ष जितेंद्र जगरदेव यादव, जिला महासचिव चौधरी रामप्रवेश बब्बन यादव, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती शशिकला रामप्रसाद यादव एवं दक्षिण मुंबई महिला अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा रविकांत यादव प्रमुख रहे। अन्य अतिथियों में भिवंडी जिला अध्यक्ष रामदेव जोखूलाल यादव, अंबरनाथ विधान मंडल अध्यक्ष घनश्याम श्रीराम यादव, बदलापुर अध्यक्ष बबन रामसूरत यादव, उल्हासनगर अध्यक्ष लालबिहारी बुझारत यादव, कल्याण पश्चिम अध्यक्ष रामकरण मुखराम यादव, डोंबिवली अध्यक्ष लालसाहब यादव आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया, जिनमें अग्रसेन विद्यालय (कलवा) के प्रधानाध्यापक दिनेश यादव, फादर एग्नेल स्कूल के प्रधानाध्यापक लालबहादुर यादव तथा फातिमा स्कूल के प्रवक्ता प्रदीप यादव प्रमुख रहे। समारोह का सफल संचालन राष्ट्रीय सचिव एवं कल्याण जिला महासचिव चौधरी रामप्रवेश बब्बन यादव ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्रों एवं अतिथियों को भोजन भी कराया गया।

वसई में दही हांडी महोत्सव 2025 की रही धूम

वसई। भारतीय विकास सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित दही हांडी महोत्सव 2025 ने वसई के विभिन्न क्षेत्रों में उत्सव का माहौल बना दिया। दीनदयाल नगर, अग्रवाल कौल सिटी, सुयोग नगर, और सपना टॉकीज, झंडा बाजार जैसे क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर आनंद पाटिल का जन्मदिन भी दीनदयाल नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाजपा युवा मोर्चा वसई रोड मंडल अध्यक्ष कल्पेश पांडे द्वारा अग्रवाल कौल सिटी में ₹मनाची दही हांडी महोत्सव 2025₹ का सफल आयोजन किया गया। वहीं भाजपा नेता नितिन ठाकुर ने सपना टॉकीज, झंडा बाजार क्षेत्र में भव्य आयोजन कर लोगों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नवीन दुबे, मानव दुबे, भाजपा वसई विरार जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, पूर्व नगरसेवक दिनेश भानुशाली, संतोष घाग, वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, महामंत्री संतोष कक्कड़, चेतन वार्शिकर, मैथ्यू कोलासो, आयोजक आनंद पाटिल, मिकी आनंद, राजू शास्त्रबुद्धे, विनोद कुमार, रितेश सत्यनाथ, आयोजक कल्पेश पांडे, आयोजक नितिन ठाकुर, सिद्धांत ठाकुर, आदित्य वगल, प्रतीक चौधरी, श्रीमती राजल नाइक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन में गोविंदा पथकों की रोमांचक प्रस्तुतियों और नागरिकों की भारी भागीदारी ने इस पर्व को और भी रंगीन और सफल बना दिया।

योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल की ओर से जिलाधिकारी को किया गया सम्मानित

योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल की ओर से जिलाधिकारी को आज सम्मानित किया गया।

योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल की ओर से आये आचार्य डा0 यश पराशर तथा डा0 मालविका बाजपेयी

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में जिलाधिकारी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत वृहद स्तर पर तिरंगा रैली निकाली गयी। गत 13 अगस्त 2025 को जनपद में पुलिस लाइन से शाही किले तक निकाली गई 5 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा रैली ने विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। जिसपर द्वारा जिलाधिकारी को जनसुनवाई कक्ष में प्रमाण-पत्र प्रदानकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा यात्रा में सभी जनपदवासियों के उत्साह से यह कार्यक्रम सफल हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तीनों चरणों में जनपद में सर्वाधिक तिरंगा रैलियां निकाली गई। तीनों चरणों में इस दौरान वृहद स्तर पर रैलियां निकाली गई। 13 अगस्त 2025 को आयोजित इस विशाल, भव्य और ऐतिहासिक तिरंगा रैली में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित आदि का प्रबन्धन किया गया था, जिससे यह विशाल रैली सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह तिरंगा यात्रा हमारे देश के वीरों, शहीदों के लिए सम्मान था। तिरंगा रैली में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थी, एनसीसी, स्काउट के बच्चे, जनप्रतिनिधि भूतपूर्व सैनिक पुलिस बल के जवान, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं आदि का भारी बारिश के बाद भी तिरंगे के मान सम्मान के लिए उनका उत्साह कम नहीं हुआ।

प्रदेश में सर्वाधिक सेल्फी अपलोड की गई जितने भी पैरामीटर थे उसके अंतर्गत देश प्रदेश में जनपद का अव्वल स्थान रहा। पुलिस लाइन से निकाली गई तिरंगा रैली शाही किले पर जाकर समाप्त हुई, इस दौरान भारी बारिश के बाद भी सभी ने उत्साह के साथ तिरंगा रैली में प्रतिभाग किया। बेसिक तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने इसमें अनुकरणीय कार्य किया है। तीनों चरणों में जनपद ने अच्छा कार्य किया। जिलाधिकारी ने विश्व रिकार्ड बनाने में अपना योगदान देने वाले तथा तिरंगा रैली में प्रतिभाग करने वाले सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। आज पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को शुभकामनाएं भी दी गई।

22 और 23 अगस्त को ज्ञान भवन में विकसित भारत ग्लोबल समिट ऑन टेक्निकल टेक्सटाइल्स का आयोजन

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार का वस्त्र मंत्रालय 22 और 23 अगस्त 2025 को पटना, बिहार स्थित ज्ञान भवन में विकसित भारत ग्लोबल समिट ऑन टेक्निकल टेक्सटाइल्स का आयोजन करेगा। यह सम्मेलन सरकार की विकसित भारत 2047 की दृष्टि का हिस्सा है। टेक्निकल टेक्सटाइल्स (विशेष वस्त्र) को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया है, जो देश के बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि, पर्यावरणीय स्थिरता और नवाचार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा और भारत की विकास यात्रा में बड़ा योगदान देगा। दो दिन का यह सम्मेलन ज्ञान-विचार सत्रों के साथ होगा, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ, निमार्ता, स्टार्ट-अप्स, शोध संस्थान, सरकारी संगठन और इंडस्ट्री बॉडीज एक साथ आएंगे और टेक्निकल टेक्सटाइल्स के 12 अलग-अलग क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 22 अगस्त 2025 को शाम 4:00 बजे केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे। इस अवसर पर वस्त्र मंत्रालय और बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। यह सम्मेलन वस्त्र मंत्रालय और मेटेक्सिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। मेटेक्सिल एक निर्यात प्रोत्साहन परिषद है, जो मैनमेड फाइबर टेक्सटाइल्स जैसे कि फाइबर, यार्न, फैब्रिक, होम टेक्सटाइल्स और टेक्निकल टेक्सटाइल्स के निर्यात को बढ़ावा देता है।

उत्तर यादव युवा संघ द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन

अंबरनाथ, कल्याण (उत्तरशक्ति)। उत्तर यादव युवा संघ (रजि.) द्वारा लगातार 18वें वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन इस वर्ष भी अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ महात्मा गांधी विद्यालय, अंबरनाथ में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भजन संध्या, श्रीकृष्ण झांकी, महाप्रसाद एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सुसज्जित रहा, जिसमें लगभग 1000 श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर हुए। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु अंबरनाथ के लोकप्रिय विधायक श्री बालाजी कीणिकर, नगरसेवक उमेश पाटील व उमेश गुंजाल, नगरसेविका रोहिणी भोईर, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमरजीत श्रीनाथ यादव, समाजसेवी निखिल वाडेकर, विश्वजीत करंजुले, अभिजीत करंजुले, संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव एवं उपाध्यक्ष अभयराज यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्री बालाजी कीणिकर ने उत्तर यादव युवा संघ को उनके सामाजिक कार्यों के लिए शीघ्र ही 5 गूंठा भूमि प्रदान किए जाने की घोषणा की, जिससे संघ की गतिविधियाँ और अधिक सशक्त होंगी। महोत्सव के सफल आयोजन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश यादव व राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय सचिव चौधरी रामप्रवेश यादव, मंडल संरक्षक अर्जुन यादव, प्रभारी प्रदीप यादव, अध्यक्ष घनश्याम यादव, तथा पूर्व व पश्चिम शाखा की समर्पित टीम ने एक महीने तक निरंतर परिश्रम किया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की स्थापना एवं पूजन का कार्य आचार्य हिमांशु यादव जी द्वारा संपन्न हुआ। संचालन की जिम्मेदारी प्रदीप छविनाथ यादव ने कुशलतापूर्वक निभाई। उत्तर यादव युवा संघ की यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त करती है, बल्कि समाज में सांस्कृतिक एकता, सहयोग और सेवा की भावना को भी प्रेरित करती है।

मौनीया बाबा झंडा मेला को लेकर एसडीओ ने अखाड़ा के अनुज्ञापीधारियों के साथ की बैठक

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में जिला के डीएम व एसपी सिवान के संयुक्त निर्गत आदेश पर मौनीया बाबा महावीरी झंडा मेला के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महाराजगंज थाना परिसर में झंडा अखाड़ेधारियों के साथ बैठक हुई। अध्यक्षता एसडीओ अनीता कुमारी ने की। अंचलाधिकारी व थाना के इंस्पेक्टर सुनील कुमार, नगर पंचायत के ईओ हरिश्चंद्र ने एसडीओ से व्यवस्था के बारे में विचार साझा किया। एसडीओ अनीता कुमारी ने बैठक को संबोधित करते हुए निर्देश दिया कि महावीरी झंडा मेला आपसी भाईचारगी एवं शांतिपूर्ण माहौल में मनाने हेतु सभी प्रशासनिक तैयारियों व अखाडधारियों से सहयोग करने की बात कही।

एसडीओ ने बताया कि मौनिया बाबा मेला के अवसर पर सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। बिजली व्यवस्था ,पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था, अग्निशमन दस्ता ,नियंत्रण कक्ष,आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि बाहरी असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी हेतु ड्रॉप गेट /नाका पर रोको टोको अभियान चलाकर लगातार चौकसी बरती जाय । साथ ही उपद्रवियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाय । जुलूस की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरा ,वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग चप्पे-चप्पे पर होगी। ठनके थानाध्यक्ष बीडीओ सीओ ,महाराजगंज थाना के सभी अधिकारी तो रहेंगे हीं अलावा इसके जरूरत पड़ने पर बाहर के पुलिस बल की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में महाराजगंज के सीओ जितेंद्र कुमार,ई अशोक कुमार गुप्ता, मोहन कुमार पद्माकर, नागमणि सिंह, मुस्लिम मियां आदि कई गण्यमान्य व अखाड़ा के अनुज्ञप्तिधारी उपस्थित थे।

प्रयागराज मे डीएम के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले आठ चिकित्सक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को तेज बहादुर सप्रू अस्पताल (बेली) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आठ चिकित्सक अनुपस्थित मिले। उन्होंने नाराजगी जताते हुए अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ. भावना शर्मा को अनुपस्थित चिकित्सकों से स्पष्टीकरण तलब करने को कहा। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया तो सर्जन डॉ. आरसी त्रिपाठी, निश्चेतक डॉ. अभिषेक मिश्रा, दंत चिकित्सक डॉ. मनीषा अग्रवाल, निश्चेतक डॉ. सैनी तिवारी, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. विमलेंदु शेखर, पैथोलॉजिस्ट डॉ. सुरेश सिंह व माइक्रो बायोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार मिश्रा अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अनुपस्थित चिकित्सकों से स्पष्टीकरण लेकर एक सप्ताह में प्रस्तुत करने को कहा। निरीक्षण में पाया गया कि निश्चेतक डॉ. अभिषेक मिश्रा जनवरी-2025 से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित हैं। डीएम ने शासन को पत्र लिखकर मामले से अवगत कराने को कहा।वहीं ओपीडी के बाहर इंतजार कर रहे लोगों और आभा आईडी काउंटर पर लोगों के बैठने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक ओपीडी कक्ष में टोकन जेनरेशन मशीन और प्रतीक्षा नंबर डिस्प्ले बोर्ड लगाने के लिए कहा। डीएम ने अस्पताल परिसर में आने वाले बच्चों के लिए खाली स्थान पर खिलौनों के साथ खेलने की व्यवस्था करने को कहा। इसके अलावा पार्किंग की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मरीजों से बातचीत कर उनकी बीमारियों, समस्याओं और चिकित्सालय की सुविधाओं के साथ ही इलाज के बारे में भी जानकारी ली। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. पीके सिंह ने बताया कि जनपद के मेडिकल स्टोरों पर बिना परामर्श के स्टेरॉयड दवाएं बेची जाती हैं जिससे लोगों को चर्म रोग होते हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित ड्रग इंस्पेक्टर को बिना परामर्श के स्टेरॉयड बेचने वाले मेडिकल स्टोरों पर छापा मारने और लाइसेंस निरस्त करने का निर्देश दिया।

तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मारी, दो की मौत

कानपुर (उत्तरशक्ति)। मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोपेड चला रहा मामा व पीछे नाना की गोद में बैठी तीन साल की भांजी की मौत हो गई। नाना गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया। फतेहपुर के बकेवर थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी चंद्रपाल (60) घाट मपुर के रेवना थाना क्षेत्र के मछैला गांव में ब्याही बेटी गुड्डन पत्नी सियाराम के घर आए थे। बुधवार को वह जहांगीराबाद में ब्याही नातिन सोनम देवी पत्नी संदीप के घर नाती अरुण (13) पुत्र सियाराम के साथ गए थे। वहां से अरुण अपने नाना व तीन साल की भांजी प्रज्ञा को मोपेड से लेकर मछैला गांव लौट रहा था।

मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मामा अरुण और भांजी प्रज्ञा की सड़क पर गिरने से डंपर से कुचलकर मौके पर मौत हो गई।

नाना गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक डंपर छोड़कर भाग गया। कस्बा चौकी प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उधर, दुर्घटना की खबर सुनते ही परिजन सीएचसी पहुंचे, दोनों शवों को देखकर बदहवास हो गए। नाती अरुण व मासूम प्रज्ञा घर की इकलौती संतान थीं।

नीलगाय को बचाने के चक्कर में खाई में गिरी बाइक, युवक की मौत

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के पवई थाना के माहुल-पवई मार्ग पर मंगलवार की देर रात सड़क पार कर रही नीलगाय को बचाने के चक्कर में एक युवक की बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में बाइक पर सवार युवक और उसका साथी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग जब तक दोनों को अस्पताल ले जाने का प्रबंध करते कि एक युवक की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल उसके साथी को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार अहरौला थाना क्षेत्र के गुमकोठी गांव निवासी सर्वेश राजभर (19) अपनी बाइक पर साथी लाला राजभर (21) को बैठाकर रामापुर बाजार गया था। रात में घर लौटते समय जब बाइक शाहराजा गांव के मोड़ पहुंची, तभी अचानक सड़क पर नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में सर्वेश बाइक सहित सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में सर्वेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा लाला राजभर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल को माहुल के एक चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक के परिजन शव को घर ले आए और बिना किसी औपचारिक सूचना के ही महर्षि दुवार्सा धाम घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया।

82 पात्र लोगों को मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

सभी आवेदकों के सामने पारदर्शी ढंग से खोली गई लॉटरी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत वाराणसी विकास प्राधिकरण ने बुधवार 20 अगस्त 2025 को 82 आवासों का सफलतापूर्वक आवंटन किया। यह आवंटन गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल, चौकाघाट में आयोजित लॉटरी प्रक्रिया के जरिए संपन्न हुआ। लॉटरी में कुल 642 लाभार्थियों के सापेक्ष ग्राम हरहुआ और कुरहुआ स्थित 82 आवासों का पारदर्शी तरीके से वितरण किया गया। लाभार्थियों की प्रत्यक्ष उपस्थिति में पूरी कार्यवाही सम्पन्न कराई गई।जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। आवंटन प्रक्रिया के दौरान उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण पुलकित गर्ग, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) वंदिता श्रीवास्तव, सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा, परियोजना अधिकारी (डूडा) निधि वाजपेयी, प्रभारी अधिकारी संपत्ति आनंद प्रकाश तिवारी और सहायक संपत्ति अधिकारी रमेश दुबे सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।वाराणसी विकास प्राधिकरण ने प्रधानमंत्री आवास योजना को आमजन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हुए यह सुनिश्चित किया है कि अधिक से अधिक लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराया जा सके। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी इसी तरह की पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए जाने का कार्य किया जायेगा।

गर्लफ्रेंड की हत्या कर शव के किए 7 टुकड़े, फिर आशिक ने भाई को बोला तेरी बहन को मार डाला

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। पूर्व प्रधान संजय पटेल ने अपनी प्रेमिका रचना यादव (35) की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को 7 टुकड़ों में काट डाला। इस वारदात में उसका भतीजा संदीप पटेल और साथी प्रदीप उर्फ दीपक अहिरवार भी शामिल थे।

13 अगस्त को टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव के एक कुएं से 2 बोरियां बरामद हुईं। इनमें महिला के धड़ के हिस्से मिले। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बाद में कुएं से एक हाथ भी मिला, लेकिन सिर और पैर गायब थे, जिससे पहचान मुश्किल हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 18 टीमें गठित कीं। जांच के दौरान पता चला कि शव की शिनाख्त टीकमगढ़ (मप्र) की रहने वाली रचना यादव के रूप में हुई। उसके भाई ने भी शव की पुष्टि की और बताया कि आरोपी संजय ने उसे फोन कर कहा था–तेरी बहन को मार डाला है। जानकारी के अनुसार, रचना यादव की दो शादियां हो चुकी थीं। दूसरी शादी के बाद उसका नाम कई विवादों में आया और केस भी दर्ज हुआ। इसी बीच उसकी नजदीकियां पूर्व प्रधान संजय पटेल से बढ़ीं। दोनों के बीच पिछले दो साल से संबंध थे। बताया जा रहा है कि रचना शादी के लिए दबाव डाल रही थी। इसी बात से परेशान होकर संजय ने उसकी हत्या की साजिश रची। 9 अगस्त को संजय अपने भतीजे संदीप और साथी प्रदीप के साथ रचना को कार में बैठाकर घुमाने ले गया। कार में ही गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को 7 टुकड़ों में काटकर तीन बोरियों में भर दिया। इनमें से कुछ हिस्से कुएं में और बाकी लखेरी नदी में फेंक दिए गए।

पुलिस ने बुधवार को संजय पटेल और संदीप पटेल को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर नदी से सिर और अन्य हिस्से बरामद किए गए। दोनों को जेल भेज दिया गया है, जबकि तीसरा आरोपी प्रदीप अभी फरार है।

टाइटस फुटवियर एक नए युग की शुरूआत

पटना। कोलकाता के सबसे सम्मानित फुटवियर ब्रांडों में से एक, टाइटस फुटवियर अपने विकास की यात्रा में एक बड़े मील के पत्थर की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। वैश्विक फुटवियर और चमड़ा उद्योग के अंतर्गत तीन दशकों से अधिक की उत्कृष्टता के बाद, कंपनी ने अपने फुटवियर व्यवसाय को एक नए स्थापित इकाई में आधिकारिक रूप से हस्तांतरित कर दिया है। कोलकाता स्थित मोहत परिवार ने कंपनी में एक महत्वपूर्ण इक्विटी निवेश किया है और प्रमोटर की हिस्सेदारी अपने नाम की है। यह समर्थन टाइटस ब्रांड के स्थायी मूल्य और बदलते बाजार में अग्रणी बनने की क्षमता में उनकी गहरी विश्वास को दशार्ता है।

गोदरेज एग्रोवेट ने मक्का फसल के लिए नया हर्बिसाइड अशिताका लॉन्च किया

मुंबई/हैदराबाद। भारत की अग्रणी कृषि-व्यवसाय कंपनियों में से एक गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने मक्के की फसल के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक नया शाकनाशी (हर्बिसाइड) 'आशिताका' लॉन्च किया है। आईएसके जापान के सहयोग से विकसित यह अभिनव समाधान, मक्के की खेती में सबसे बड़ी चुनौती माने जाने वाले घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। फसलों के शुरूआती विकास चरणों में खरपतवारों का प्रकोप मक्के की उत्पादकता पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है। 'आशिताका' को खरपतवारों में 2-4 पत्तियां होने पर उपयोग करने की सलाह दी जाती है, जिससे यह खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। वैश्विक स्तर पर मक्का की खेती के क्षेत्रफल में भारत चौथे और वार्षिक उत्पादन में पांचवें स्थान पर है। देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था और मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग के कारण पशु-प्रोटीन, स्टार्च और अन्य औद्योगिक उत्पादों (जिनमें मक्का का उपयोग होता है) की खपत लगातार बढ़ रही है। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में, पशुओं के चारे, औद्योगिक एवं बायोफ्यूल उपयोग हेतु मक्का की मांग में इजाफा हो रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषि-इनपुट की सीमित उपलब्धता। साथ ही जलवायु परिवर्तन भी एक गंभीर खतरा है, क्योंकि चरम मौसमी परिस्थितियां, बारिश का असमान पैटर्न, कीट एवं बीमारियों का प्रकोप मक्का उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में अशिताका जैसे शोध-आधारित समाधानों का आना बेहद जरूरी है ताकि उपज बढ़ाई जा सके और फसल का महत्व बनाए रखा जा सके। लॉन्चिंग के अवसर पर, राजावेलु एन.के., सीईओ (क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस), गोदरेज एग्रोवेट ने कहा, 'गोदरेज एग्रोवेट में हमारा मिशन है कि हम नवोन्मेषी और शोध-आधारित समाधान प्रदान करें, जो भारतीय किसानों को सशक्त बनाएं और खेती करने वाले परिवारों के जीवन को बेहतर बनाएं। हमारा लक्ष्य है कि कृषि को पर्यावरणीय और बाजार की चुनौतियों से सुरक्षित रखते हुए भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। फसल की शुरूआती वृद्धि अवस्था में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन, मक्का उत्पादक किसानों के लिए बेहतर उत्पादकता हासिल करने में बेहद महत्वपूर्ण है।

जेसीबी से बाउंड्रीवाल गिराने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के बरसठी थाना अंतर्गत पटखौली संपत पाठक गांव निवासी त्रिवेणी नाथ पाठक के घर के सामने बनी बाउंड्री वॉल को जेसीबी से ध्वस्त करने वाले मनबढ़ दबंगों को आखिरकार बुधवार को पुलिस ने उनके घर से दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किये गए दोनों सगे भाई रवि प्रकाश पाठक व वेद प्रकाश पाठक पुत्रगण जवाहरलाल पाठक को सीधे थाना परिसर में पूछताछ के लिए लाया गया। इसके बाद विधिक कार्रवाई करते हुए उनका चालान न्यायालय भेज दिया। इस पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ की फटकार पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।उक्त गांव निवासी त्रिवेणीनाथ पाठक का उनके पड़ोसी पड़ोसी रवि प्रकाश पाठक व वेद प्रकाश पाठक से पुराना विवाद चल रहा है। आरोप है कि बीते दिवस सुबह करीब 10 बजे उनके दबंग पड़ोसी अचानक अपनी जेसीबी लेकर पहुँचे और त्रिवेणी नाथ पाठक के घर के सामने बहुत पहले से बनी बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर दिया। बाउंड्रीवाल गिराने की जानकारी पर बाहर निकल कर विरोध करने पर उन लोगों ने जान से मारने की नियत से धमकी देते हुए लाठी लेकर दौड़ा लिया फिलहाल किसी तरह घर में भागकर उन लोगों ने अपनी जान बचाया। दिन दहाड़े बाउंड्रीवाल गिराने की घटना से गांव के लोग भी हतप्रभ है। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत बरसठी थाना पुलिस से किया लेकिन पुलिस तात्कालिक तौर पर कोई कार्रवाई नहीं की।बाद में पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ से उनके दफ्तर में मिलकर आप बीती बताई।वह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस इस मामले को लीपा पोती करने में लगी है। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष राजेश यादव को काफी फटकार लगाते हुए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, उपनिरीक्षक अंबरीश सिंह, हेड कांस्टेबल कौशल सिंह, वकील चौहान शामिल रहे।

चोलापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 56 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस को मिली बड़ी सफलता कमिश्नरेट वाराणसी के थाना चोलापुर पुलिस ने 56.40 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान भोला यादव (उम्र 36) और इन्द्रजीत सिंह (उम्र 64) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत, गड़सरा से घरसौना जाने वाले मार्ग पर ये गिरफ्तारी की गई। अभियुक्तों के पास से 56.40 किलोग्राम अवैध गांजे के अलावा ?16,27,840 नकद और अन्य सामान भी बरामद हुआ है।पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे यह गांजा बिहार से लाकर वाराणसी व आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे। इस मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग युवती ने गंभीर बीमारी से तंग आकर फांसी लगाकर दिया जान

-सुनील कुमार मिश्रा

बभनी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के झापर गांव में बुधवार सुबह एक नाबालिग युवती ने बीमारी से तंग आकर फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना से गांव और परिवार में मातम छा गया। मिली जानकारी के अनुसार झापर गांव निवासी कल्लू पुत्र अच्छेलाल की 15 वर्षीय पुत्री चंचला सुबह घर से शौच के लिए निकली थी। काफी देर तक वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश करने लगे। इस दौरान घर से लगभग 500 मीटर दूर पलाश के पेड़ से उसका शव दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। परिजनों ने बताया कि चंचला लंबे समय से बीमार चल रही थी। जिससे वह मानसिक रूप से भी परेशान रहती थी। सूचना पर बभनी पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक बभनी कमलेश पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

भारी बारिश से प्रभावित वसई क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया दौरा

संकट में फंसी गर्भवती महिला की बचाई जान

वसई। वसई और आसपास के क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश से आम नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग द्वारा अगले 2से3 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन सतर्क है और नागरिकों की मदद के लिए लगातार काम कर रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में वसई की संघर्षशील विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने 19 अगस्त को सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक वसई रोड मंडल, वसई शहर मंडल, वसई पश्चिम मंडल सहित क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और जरूरतमंद स्थानों पर तत्काल सहायता पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए।

होली क्षेत्र में मकान ढहने की घटना पर तत्काल पहुँचीं विधायक

वसई के होली क्षेत्र में भारी बारिश के कारण एक रिहायशी मकान ढह गया। इस गंभीर घटना की सूचना मिलते ही विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित तत्काल घटनास्थल पर पहुँचीं और प्रशासन को तुरंत राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

गर्भवती महिला की जान बचाई

नर्मल मलाई पाड़ा में जलभराव के कारण एक रिक्शा फंस गया, जिसमें एक गर्भवती महिला सारिका फंस गईं। सूचना मिलते ही विधायक स्नेहा ताई स्वयं मौके पर पहुँचीं और अपनी टीम के सहयोग से महिला को सुरक्षित सर डी.एम. पेटिट अस्पताल, वसई गाँव पहुँचाया। तत्परता से की गई इस मदद के चलते महिला और गर्भस्थ शिशु की जान बचाई जा सकी। खुशी की बात यह है कि महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है – माँ और बच्ची दोनों सुरक्षित हैं।

प्रशासन और पार्टी पदाधिकारी भी रहे साथ

इस निरीक्षण दौरे में वसई विरार शहर नगर निगम के आयुक्त एवं प्रशासक मनोज कुमार सूर्यवंशी, अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, कार्यकारी अभियंता प्रदीप पाचांगे, अग्निशमन विभाग अधिकारी चेतन चिपलूनकर, भाजपा पदाधिकारी बिजेंद्र कुमार, महेश सरवणकर, गीतांजलि दुधाला, आशीष जोशी, और अन्य कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित का संदेश की "जनता के सुख-दुख में सहभागी होना ही सच्ची जनसेवा है। संकट के समय जनता को हिम्मत देना और मदद का हाथ बढ़ाना मेरा कर्तव्य है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील बदलापुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील बदलापुर के ग्राम रैभानीपुर के निवासी राममिलन के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि प्रार्थी अनुसूचित जाति का व्यक्ति है।उनकी विगत 18 मई 2024 को आग लगने से आवासीय छप्पर व एक भैस व 7 बकरी और 3 कुन्तल गेंहू, भूसा व अन्य खाद्य सामग्री जल कर राख हो गयी। उन्होंने बताया कि अभी तक सहायता राशि प्राप्त नही हुई है। जिसपर उक्त प्रकरण का त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा आपदा कानूनगो को प्रतिकूल प्रविष्टि और उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये गये साथ ही उपजिलाधिकारी बदलापुर को निर्देशित किया गया कि तत्काल प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करते हुए दैवीय आपदा राहत के अंतर्गत शासनादेश के अनुसार सहायता धनराशि प्रार्थी के खाते में अंतरित कराना सुनिश्चित करें। उक्त के अनुपालन में उपजिलाधिकारी बदलापुर द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कराते हुए मात्र 24 घंटे में प्रार्थी के खाते में सहायता धनराशि अंतरित कराने हेतु बेनेफिसियरी तैयार कराया गया, जिसके क्रम में कल 19 अगस्त 2025 को कलेक्ट्रेट जनसुनवाई कक्ष में प्रार्थी राममिलन पुत्र कुलपति की उपस्थिति में उनके खाते में धनराशि अंतरित कराकर उन्हें अवगत कराया गया। जिसपर उनके द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गयी तथा मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मुकेश त्रिपाठी का जन्मदिन कई अलग-अलग स्थानों पर बड़े धूमधाम से मनाया गया। मुकेश त्रिपाठी गरीबों के सुख दुख के सच्चे साथी, समाज की समस्याओं को अपनी पीड़ा समझने वाले पालघर जिले में एक धाकड़ और निर्भीक पत्रकार व समाजसेवी मुकेश त्रिपाठी के जन्मदिन पर कई जानी-मानी हस्तियां शुभकामनाएं दी है। मुकेश त्रिपाठी 18 वर्षों से पत्रकारिता जगत में एक ऊंचा स्थान हासिल किया है। उनके जन्मदिन पर दैनिक उत्तर शक्ति के उप संपादक प्रेमचंद मिश्रा, पंडित आचार्य दीनानाथ शुक्ल, समाजसेवी प्रदीप मिश्रा, समाजसेवी बृजेश मिश्रा, पत्रकार आनंद मिश्रा, काका जगदीश तिवारी, समाजसेवी बहुजन विकास आघाड़ी के तेज तर्रार पंडित महेंद्र शर्मा, समाजसेवी सत्य प्रकाश सिंह, राजेश वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, पत्रकार प्रवीण पांडे सहित कई गणमान्य लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मौनिया बाबा मेला तैयारी की लच्चर व्यवस्था के खिलाफ लोगों का आक्रोश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में, उत्तर बिहार का प्रसिद्ध मौनिया बाबा का मेला 22 अगस्त की संध्या से जुलूस के साथ शुरू होगा. 23 को झंडा अखाड़ा का मेला होगा। जिसमें 21 जगहों से झंडा अखाड़ा आएगा। तैयारी की व्यवस्था से नाराज योग प्रचारक अंगद महाराज के समर्थक दर्जनों की संख्या में पहुंच कर राजेंद्र चौक स्थित मुख्य मेला नियंत्रक केंद्र पर आक्रोश प्रकट किया।

उनका कहना था कि मेला में दूर दराज की महिलाएं आती हैं। इनके लिए पहले जैसा जगह-जगह सुलभ शौचायल, यूरिन कक्ष, नहीं बनाया गया है, अलावा इसके केनरा बैंक के सामने मुख्य सड़क पर गंदे पानी का जमाव है मेला लगने के मात्र दो दिन बचे है, नाले की पानी निकासी के लिए नल की सफाई जरूरी है लेकिन नाला कूड़ा कबाड़ से भरा हुआ है। सड़क के किनारे लाइटिंग की व्यवस्था पूर्ण रूप से नहीं है। अलावा इसके अन्य व्यवस्था भी खटाई में पड़ी है। दिनेश कुमार सिंह, भूलन कुमार पटेल, ओम प्रकाश सिंह, मनीता देवी, रमेश यादव, ठाकुर प्रसाद, बृजेश कुमार, विकास कुमार, प्रिंस कुमार, समाजसेवी अजय सिंह, टुनटुन मिश्रा, मदन यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, शिव नारायण सिंह, विकास कुमार सिंह, राहुल कुमार, आदि कई दर्जन लोग लच्चर व्यवस्था के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

क्या बोली एसडीओ : मेला 22 और 23 अगस्त को है। इसके पूर्व जो भी व्यवस्था बाकी है। उसे पूरा कर लिया जाएगा। मेला में मेला दर्शकों के लिए चुस्त दुरुस्त व्यवस्था रहेगी। प्रशासनिक सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मेला दर्शकों को कहीं किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी, अनीता कुमारी, एसडीओ, महाराजगंज।

शुरूआती जांच से हर साल 40 हजार ज़िंदगियां बच सकती हैं, फिर भी देर से पकड़ा जा रहा ओरल कैंसर

मुंबई। भारत में हर साल डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को ओरल कैंसर (मुँह का कैंसर) होता है। यह पुरुषों में सबसे आम कैंसर है। खास बात यह है कि यह बीमारी आसानी से दिखाई देती है और शुरूआत में पकड़ में भी आ सकती है। फिर भी 70% मरीज तब अस्पताल पहुँचते हैं जब कैंसर काफी बढ़ चुका होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते पहचान हो जाए तो 90% तक मरीज ठीक हो सकते हैं। लेकिन देर से पता चलने पर यह संभावना घटकर आधी रह जाती है। लांसेट की एक बड़ी स्टडी में पाया गया कि सिर्फ नियमित मुँह की जांच से 40 हजार लोगों की जान बच सकती है। खासकर तंबाकू, सुपारी और शराब का सेवन करने वालों को अगर समय-समय पर जांच मिल जाए तो कैंसर शुरूआती अवस्था में पकड़ा जा सकता है।

आमतौर पर गांव और छोटे कस्बों में मरीज सबसे पहले डेंटिस्ट के पास जाते हैं। लेकिन ट्रेनिंग की कमी और सही रेफरल सिस्टम न होने के कारण शुरूआती लक्षण नजरअंदाज हो जाते हैं। छोटे घावों को दवाइयों या एंटीबायोटिक से दबा दिया जाता है, लेकिन जांच या बायोप्सी नहीं होती। यही देरी कई बार मरीज की जान ले लेती है।

ओरल कैंसर का सबसे आम रूप, ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, बहुत तेजी से फैलता है। इसका ट्यूमर 30 से 99 दिन में दोगुना हो सकता है। यानी कुछ महीनों में छोटा सा घाव खतरनाक कैंसर में बदल सकता है। शुरूआती स्टेज में सिर्फ सर्जरी काफी होती है, लेकिन देर होने पर मरीज को रेडिएशन, कीमो और बड़ी सर्जरी से गुजरना पड़ता है। ओरल कैंसर ऐसा कैंसर है जिसे हम आसानी से देख सकते हैं, फिर भी बार-बार मौका खो देते हैं। देरी का हर दिन मरीज को मौत के करीब ले जाता है, कहते हैं डॉ. हितेश आर. सिंहवी, हेड और नेक सर्जन, कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ठाणे। उनका कहना है कि यह सिर्फ डॉक्टर की गलती नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की कमी है। कई दंत चिकित्सक डर या सुविधा की कमी के कारण संदिग्ध मरीजों को आगे रेफर नहीं करते।

डॉ. सिंहवी ने सुझाव दिया कि मेडिकल कॉलेजों में ओरल कैंसर की पहचान और इलाज को पढ़ाया जाए। दंत चिकित्सकों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाएं और देशभर में एक समान रेफरल गाइडलाइन बने। उन्होंने यह भी कहा कि टेलीडेंटिस्ट्री जैसी तकनीक से दूर-दराज के इलाकों में जांच और सलाह दी जा सकती है। ओरल कैंसर रोका जा सकता है और शुरूआती अवस्था में पूरी तरह ठीक भी हो सकता है। लेकिन इसके लिए मरीज की समय पर जांच और डॉक्टर की सही पहचान जरूरी है। भारत के दंत चिकित्सक इस लड़ाई की पहली पंक्ति में हैं।

वर्ली में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। वर्ली पैलेस रॉयल गेट के सामने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ कार्यकर्ता रेणुका ताई तांबे के नेतृत्व में कृष्ण जन्माष्टमी एवं दहीहंडी महोत्सव का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने चेहरे एवं अंतर्राष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट योगाचार्य राधेश्याम जायसवार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर रेणुका ताई तांबे ने योग गुरु राधेश्याम का सम्मान करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। अपने उद्बोधन में योग गुरु राधेश्याम ने कहा कि ह्लरेणुका ताई तांबे एक महान समाजसेविका हैं, जिन्होंने सदैव गरीबों और असहायों के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया है। चाहे पुलिस स्टेशन हो या बीएमसी का दफ्तर, रेणुका ताई सदैव आम नागरिकों की आवाज बनकर खड़ी रहती हैं।ह्व कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में 200 से अधिक गोविंदा पथकों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रत्येक पथक को ट्रॉफी और अनुदान पैकेट भेंट किए गए। रेणुका ताई तांबे ने मंच से गोविंदाओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि दहीहंडी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम है। कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। वर्ली पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ने भी मंच पर आकर कार्यक्रम की सराहना की और प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। भव्य सजावट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समाजसेवा के संदेश के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन वर्ली क्षेत्र में चर्चा का विषय बना।

तेल और घी बनाने वाली जानी–मानी कंपनी नाकोडा के रिटेल आउटलेट का हाल ही में प्रभादेवी में उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में आउटलेट के मालिक राजू हलदणकर, कंपनी के सीईओ कमलेश जैन, रवि जैन, नमन जैन के साथ–साथ नरेंद्र गावकर, बालगोविंद तिवारी, हरिनाथ तिवारी, नागेश ताम्बेडकर जैसे कई गणमान्य लोग मौजूद थे। छायाः उत्तरशक्ति

श्याम मेटैलिक्स ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को देशभर में समारोह और सतत विकास पहल के साथ मनाया

मुंबई। भारत का प्रमुख एकीकृत धातु (इंटीग्रेटेड मेटल) उत्पादक, श्याम मेटैलिक्स ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को पूरे गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ देशभर में अपने सभी संयंत्रों में मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों, उनके परिवारों और स्थानीय समुदायों ने एक साथ आकर आजादी की इस गौरवमयी यात्रा को सम्मानित किया। पश्चिम बंगाल से लेकर ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश तक कंपनी की प्रत्येक इकाई में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और एकता, जिम्मेदारी तथा प्रगति की भावना को दशार्ने वाली विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल के जामुरिया यूनिट में ध्वजारोहण के बाद उत्साहपूर्ण परेड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ, जहाँ कर्मचारियों के बच्चों ने अपने आकर्षक प्रदर्शन से समारोह की शोभा बढ़ाई। वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों को संबोधित किया और उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। खड़गपुर में तिरंगे का ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता और मिठाइयों का वितरण हुआ, ताकि देशभक्ति के मूल्यों को नई पीढ़ी में संजोया जा सके।